हरिभूमि

शौर्य भूमि

मंडला | अंजिनया | भुआबिछिया | बम्हनीबंजर | नैनपुर | निवास | बीजाडांडी

जबलपुर, गुरुवार 21 मई 2026

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

कलेक्टर ने किया ईव्हीएम वेयर हाउस का निरीक्षण

मण्डला। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी राहुल नामदेव धोटे ने बुधवार को शासकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज मंडला में स्थित ईवीएम एवं वीवीपेट वेयरहाउस का मासिक निरीक्षण किया। इस दौरान वेयरहाऊस की सुरक्षा संबंधी व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। निरीक्षण के दौरान अपर कलेक्टर राजेन्द्र कुमार सिंह, सहायक कलेक्टर शैलेन्द्र चौधरी, निर्वाचन अधीक्षक अरूण, सीके तिवारी उपस्थित रहे।

डाकघरों में 25 एवं 26 मई को चलेगा विशेष आधार पंजीयन एवं अपडेशन अभियान

मण्डला। मंडला संभाग अंतर्गत डाकघरों में संचालित आधार सेवा केंद्रों पर नवीन आधार पंजीयन, आधार कार्ड में सुधार, बायोमेट्रिक अपडेशन तथा आधार डेटा में मोबाइल नंबर एवं ईमेल आईडी लिंक/अपडेट करने के लिए 25 एवं 26 मई को विशेष अभियान चलाया जाएगा। अभियान के लिए 22 एवं 23 मई को टोकन वितरित किए जाएंगे। विशेष अभियान के दौरान सभी आधार सेवा केंद्र प्रातः 8 बजे से सायं 6 बजे तक संचालित होंगे, जबकि प्रधान डाकघर मंडला में संचालित आधार सेवा केंद्र प्रातः 8 बजे से रात्रि 8 बजे तक कार्य करेगा। नागरिक अपने निकटतम डाकघर आधार केंद्र पहुंचकर इस सुविधा का लाभ ले सकते हैं। मंडला संभाग अंतर्गत 1 प्रधान डाकघर एवं 9 उपडाकघरों में आधार पंजीयन एवं अपडेशन अभियान संचालित किया जा रहा है। मंडला जिले में स्थित आधार सेवा केंद्रों में प्रधान डाकघर मंडला, उपडाकघर नैनपुर, उपडाकघर निवास, उपडाकघर पिंडरई, उपडाकघर चिरईडोंगरी, उपडाकघर महाराजपुर, उपडाकघर डिंडोरी, उपडाकघर शाहपुरा निवास, उपडाकघर बम्हनी तथा उपडाकघर सिझौरा शामिल हैं।

क्षेत्रीय संगठन महामंत्री श्री जामवाल जी की उपस्थिति में

भाजपा का 2 दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग का समापन

*** 18 एवं 19 मई को होटल किंगफिशर में किया गया था आयोजन।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान के तहत संपूर्ण प्रदेश में जिला प्रशिक्षण वर्ग का आयोजन किया जा रहा है इसी तारतम्य में दिनांक 18 एवं 19 मई को होटल किंगफिशर में प्रशिक्षण वर्ग का आयोजन किया गया है। जिसमें अपेक्षित श्रेणी के 115 पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, कार्यकर्ताओं का प्रशिक्षण हुआ। जिसमें हमारा सैद्वांतिक अधिष्ठान एकात्ममानवाद दर्शन सांस्कृतिक राष्ट्रवाद पंचनिष्ठाएं, कार्यपद्वति, अपनी सरकारों की गरीब कल्याण योजनाएं एवं उसके क्रियान्वयन में संगठन की भूमिका, कार्यकर्ता विकास संभाल एवं अपेक्षाएं, विचार परिवार, हमारा इतिहास विकास, व्यवहारिक सत्र, कार्य विस्तार, सोशल मीडिया, स्थायी कार्यक्रम बूथ प्रबंधन,मन की बात, देश के समक्ष चुनौतियां राजनीतिक एवं सामाजिक विषयों पर चर्चा की एवं प्रदेश द्वारा तय किये गये वक्ता शशांक श्रीवास्तव पूर्व महापौर कटनी, पीताम्बर टोपनानी पूर्व जिलाध्यक्ष कटनी, विवेक बंटी साहू सांसद छिंदवाड़ा, फग्गनसिंह कुलस्ते सांसद मण्डला, संजय साहू पूर्व जिलाध्यक्ष डिंडौरी,पंकज तेकाम प्रदेशाध्यक्ष अजजा मोर्चा, श्रीमति नंदिता पाठक प्रदेश उपाध्यक्ष भाजपा, श्री रमेश भटेरे जिला संगठन प्रभारी, श्रीकांत साहू, अमन शर्मा प्रदेश मीडिया एवं सोशल मीडिया, मौसम बिसेन सदस्य पिछडा वर्ग आयोग बालाघाट, श्रीमति संपतिया उइके कैबिनेट मंत्री सहित वक्ताओं ने सभी कार्यकर्ताओं से संवाद करते हुए पार्टी के सिद्वांत रीति-नीति एवं भविष्य की योजनाओं पर विस्तृत चर्चा किया। वहीं रात्रि में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे कार्यकर्ताओं द्वारा वर्ग स्थल पर ही सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं देशभक्ति गीतों की प्रस्तुति की गयी। जिसमें सभी कार्यकर्ता मंत्रमुग्ध हुए। वही प्रातः योग शिक्षक वरुण सिहारे एवं श्री पांडे के द्वारा प्रशिक्षुओं को लगभग 1 घंटे योग कराया और योग के महत्व पर विस्तार से जानकारी दी। तत्पश्चात द्वितीय दिवस के सत्र प्रारंभ हुए जिसमें अंतिम समापन सत्र में भारतीय जनता पार्टी के क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल ने कार्यकर्ताओ के साथ संवाद करते हुए मार्गदर्शन प्रदान किया। वहीं श्री जामवाल ने भाजपा की राष्ट्रीय, प्रदेश एवं जिला स्तरीय प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया। दो दिवसीय वर्ग में प्रशिक्षण कार्यकर्ताओं में भारी उत्साह देखा गया। जिलाध्यक्ष प्रफुल्ल मिश्रा ने अजय जामवाल एवं वक्ताओं को लोकल फॉर वोकल के तहत श्री अन्न एवं ट्राईबल पेंटिंग भेंट की। इस दो दिवसीय वर्ग में जिला प्रभारी रमेश भटेरे, वर्ग प्रभारी नरेन्द्र राजपूत, के साथ इस अवसर पर जिलाध्यक्ष प्रफुल्ल मिश्रा, वर्ग नियंत्रक राजेश कस्तूरचंद जैन, जिला उपाध्यक्ष मंजू कछवाहा, महेंद्र पटेल, शैलेष मिश्रा, महेंद्र राठौर, रामप्रकाश साहू, जिला महामंत्री नरेश चंद्रोल, पंडित सिंह धुर्वे, संतोष रजक, जिला मंत्री देवेन्द्र झा, जोरावर सिंह, शशिकांत श्रीवास्तव,कौशल्या मरावी, रक्षा अग्रवाल, कृष्णा पंजवानी, कोषाध्यक्ष अखिल सिहारे, सोशल मीडिया शोभित रावत, प्रदेश उपाध्यक्ष अजजा मोर्चा नीरज मरकाम, प्रदेश मंत्री शशि पटेल, प्रदेश कोषाध्यक्ष आसाराम भारतीया, नगर पालिका अध्यक्ष विनोद कछवाहा नगर परिषद अध्यक्ष मीना हरदहा, हेमलता परस्ते, रजनी मरावी, जिलाध्यक्ष रोचीराम गुरवानी, बालकिशन खंडेलवाल, रतन सिंह ठाकुर, बिजेंन्द्र कोकडिया, पूर्व विधायक डॉ शिवराज शाह, देवसिंह सैयाम, डॉ विजय आनंद मरावी, जयप्रकाश श्रीवास्तव, अंजनी तिवारी, महेंद्र सिहारे, शैल जैन, सुषमा मिश्रा, अशोक गोयल,बहादुर सकडिया सहित मंडल अध्यक्ष महामंत्री मोर्चा प्रकोष्ठ अध्यक्ष एवं महामंत्री वरिष्ठ कार्यकर्ता पदाधिकारी उपस्थित रहे।

नदियों को साफ स्वच्छ रखना ही उनकी सेवा है: रवि बर्मन

*** जल गंगा संवर्धन अभियान तहत विकासखंड स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद (योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग म.प्र.) के अंतर्गत जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत बुधवार 20 मई को विकासखंड नारायणगंज में विकासखंड स्तरीय समीक्षा बैठक एवं स्वच्छता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जबलपुर संभाग के संभाग समन्वयक रवि बर्मन, जिला समन्वयक राजेंद्र चौधरी तथा विकासखंड समन्वयक श्री संतोष झारिया शामिल हुए।

कार्यक्रम के अंतर्गत ग्राम पंचायत कुम्हा स्थित कुंभेश्वर घाट में नवांकुर संस्थाओं, प्रस्फुटन समितियों, सीएमसीएलडीपी परामर्शदाताओं एवं छात्र-छात्राओं द्वारा घाट की साफ-सफाई की गई। इस दौरान घाट क्षेत्र से पॉलीथिन, कपड़े एवं अन्य कचरे सहित लगभग 2.5 क्विंटल अपशिष्ट एकत्रित किया गया।

स्वच्छता अभियान के बाद आश्रम परिसर में पौधरोपण किया गया तथा बैठक आयोजित हुई। बैठक में बताया गया कि विकासखंड नारायणगंज के पांच सेक्टरों की 25 प्रस्फुटन समितियों द्वारा आगामी 25 मई को गंगा दशहरा के अवसर पर कलश यात्रा, जल स्त्रोतों की पूजा, साफ-सफाई एवं संरक्षण संबंधी कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस संबंध में परिषद की ओर से प्रत्येक पंचायत को पत्र भी जारी किए जा चुके हैं।

बैठक में नवांकुर संस्थाओं द्वारा संचालित संस्कार केंद्र, सूचना केंद्र एवं नर्सरी स्थापना की जानकारी भी साझा की गई। संभाग समन्वयक श्री रवि बर्मन ने कहा कि नदियों को साफ एवं स्वच्छ रखना ही उनकी सच्ची सेवा है। उन्होंने सभी से माँ नर्मदा के तटों को स्वच्छ एवं निर्मल बनाए रखने का आग्रह किया।

विकासखंड समन्वयक संतोष झारिया द्वारा नारायणगंज विकासखंड का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया। वहीं जिला समन्वयक राजेंद्र चौधरी ने नवांकुर संस्थाओं एवं परामर्शदाताओं द्वारा किए जा रहे कार्यों की जानकारी दी। संभाग समन्वयक रवि बर्मन ने नवांकुर संस्थाओं एवं प्रस्फुटन समितियों के कार्यों की समीक्षा करते हुए आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा साझा की। इसके साथ ही परामर्शदाताओं की सेक्टरवार समीक्षा कर आगामी परीक्षाओं एवं नवीन प्रवेश के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश एवं प्रेरणा प्रदान की गई।

नाबार्ड और सीडीवीडी ने मधुमक्खी दिवस को नए अंदाज में मनाया

*** मधुमक्खी संरक्षण कार्य जिले का गौरव बनेगा–प्रफुल मिश्रा।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

नाबार्ड और सेंटर ऑफ़ डिस्कवरी फॉर विलेज डेवलपमेंट (सीडीवीडी) के संयुक्त तत्वाधान में अन्तराष्ट्रीय मधुमक्खी दिवस को नए अंदाज़ में मानाने का प्रयास किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाजपा के जिला अध्यक्ष प्रफुल मिश्रा ने अपने उद्बोधन में कहा कि आज इस आयोजन से बहुत कुछ सीखने को मिला और नाबार्ड के साथ सीडीवीडी संस्था मधुमक्खी के संरक्षण को लेकर जो नवाचार कर रही है वो जिले का गौरव बनेगा। कार्यक्रम अध्यक्ष एवं नगर पालिका अध्यक्ष विनोद कछवाहा ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि यह मधुमक्खी के क्षेत्र में इतना बड़ा काम कही और होते हुए नहीं देखा संस्था के इस प्रयास से हमारे स्थानीय लोगो को रोजगार मिल रहा है। नाबार्ड के डीडीएम- देवब्रत पाल ने नाबार्ड एवं शहद परियोजना की विस्तृत जानकारी दी और बताया की हम लगातार विभिन्न परियोजना/ गतिविधियों के माध्यम से जिले में अलग अलग तरह से विकासात्मक कार्य कर रहे है। उन्होंने बताया कि हमारे वनों और मधुमक्खियों की रक्षा करने तथा जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने के लिए सतत विकास अत्यंत आवश्यक है।

संस्था के डायरेक्टर निशार कुरैशी ने पीपीटी के माध्यम से मधुमक्खी संरक्षण की जानकारी और मधुमक्खी महत्त्व को समझाया, जिले में नाबार्ड के सहयोग से किये जा रहे नवाचार एवं हनी हन्टर्स की समस्या को सरल तकनिकी को बदलने और सुरक्षित शहद निकालने की तकनिकी को समझाया। कृषि विभाग की डिप्टी डायरेक्टर मधु अली ने अपने उद्बोधन में बताया कि कृषि उत्पादन मधुमक्खी मक्खी के परागी करण से बढ़ जाता है जिसे आज इस कार्यक्रम से लोगो को समझना आसान हुआ, कार्यक्रम के प्रथम सत्र में वित्तीय साक्षरता की जानकारी एल डी एम सुजय कुमार एवं वित्तीय साक्षरता से आये के के अवस्थी के द्वारा विस्तार से समझाई गई और बैंक के द्वारा दी जाने वाली सुविधा और बीमा के बारे में बताया गया। RSETI डाइरेक्टर श्री राजेश राय ने RSETI के बारे में बारे में जानकारी दी और विभिन्न कौशल प्रशिक्षण के बारे में बताया। पर्यावरण विशेषज्ञ राजेश छत्री ने मधुमाखी और पर्यावरण के रिश्ते को बहुत सुन्दर तरीके से बताया।

तेईस प्रतिभागियों ने, मधुमक्खी विलुप्त हो जाये तो क्या ? विषय पर आकर्षक पोस्टर के माध्यम से सन्देश दिया। प्रथम स्थान शालिनी पटेल दुतीय स्थान गरिमा शुक्ला एवं तृतीय रीता अहिरवार ने प्राप्त किया इसके आलावा तीन स्पेशल प्राइज आदया अग्रवाल, प्रिन्स सोनवानी एवं प्रज्ञा नंदा को दिया गया। सभी को प्रमाण पत्र एवं संतावना पृष्कार दिया गया।

मधुमक्खी मित्र सम्मान की घोषणा-संस्था के डायरेक्टर निशार कुरैशी ने घोषणा की आज से अब मधुमक्खी के संरक्षण करने वाले लोगो को मधुमक्खी मित्र के सम्मान से सम्मानित किया जायेगा, आज ग्राम कांडरा से पुरषोत्तम उइके एवं काशीराम और हर्रा टोला से क्लार सिंह परस्ते को मधुमक्खी सम्मान को श्रीफल एवं सम्मान पत्र देकर मुख्य अतिथि द्वारा सम्मानित किया।

कार्यक्रम के अंत में मुख्य अतिथि द्वारा मधुमक्खी संरक्षण के लिए शपथ दिलाई गई। सभी अतिथियों को संस्था एवं नाबार्ड की और से स्थानित उत्पादों का गिफ्ट दिया गया।

नैनपुर अनुविभाग में पटाखा स्टोरेज सहित 2 विस्फोटक मैग्ज़ीन्स सील

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

कलेक्टर राहुल नामदेव धोटे के निर्देशन एवं अनुविभागीय दण्डाधिकारी नैनपुर श्री आशुतोष ठाकुर के नेतृत्व में 19 मई को नैनपुर अनुभाग अंतर्गत विस्फोटक भंडारण स्थलों का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान ग्राम निवारी स्थित शायरानी पटाखा स्टोरेज में स्टॉक संधारण में अनियमितताएं पाई गईं। निर्धारित अभिलेखों एवं उपलब्ध स्टॉक में विसंगति मिलने पर संबंधित स्टोरेज सेंटर को नियमानुसार सील कर दिया गया।

इसी क्रम में ग्राम परसवाड़ा स्थित मेसर्स लकी एक्सप्लोसिव्स एंड मैग्ज़ीन्स की दो विस्फोटक भंडार मैग्ज़ीन्स का भी निरीक्षण किया गया। जांच के दौरान सुरक्षा मानकों के अनुरूप व्यवस्थाएं नहीं पाई गईं तथा आवश्यक सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन नहीं होने पर एसडीएम नैनपुर, एसडीओपी एवं थाना प्रभारी की उपस्थिति में दोनों मैग्ज़ीन्स को सील करने की कार्रवाई की गई।

प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि विस्फोटक पदार्थों के भंडारण एवं संचालन में किसी भी प्रकार की लापरवाही या सुरक्षा मानकों की अनदेखी को गंभीरता से लिया जाएगा। नियमों के उल्लंघन पर कठोर कार्रवाई आगे भी निरंतर जारी रहेगी।

बावड़ी उत्सव | जल गंगा संवर्धन अभियान में प्राचीन बावड़ी का हुआ कायाकल्प।

136 वर्ष पुरानी ऐतिहासिक बावड़ी की हुई सफाई

*** संगम महाराजपुर में स्थित है बावड़ी।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत प्रदेशभर में प्राचीन बावड़ियों के संरक्षण एवं पुनर्जीवन के उद्देश्य से "बावड़ी उत्सव" मनाया जा रहा है। इसी क्रम में विकासखंड मंडला के संगम महाराजपुर स्थित ऐतिहासिक बावड़ी का जन अभियान परिषद द्वारा श्रमदान के माध्यम से कायाकल्प किया गया। नव स्वरूप में सजी इस प्राचीन बावड़ी को देखने और फोटो लेने के लिए बड़ी संख्या में लोग पहुंचे।

कलेक्टर राहुल नामदेव धोटे एवं जिला पंचायत सीईओ शाश्वत सिंह मीना के मार्गदर्शन में जल स्त्रोत सेवा समागम कार्यक्रम के अंतर्गत जिले में विभिन्न गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के आह्वान पर 19 मार्च से 5 जून तक प्रदेशभर में जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है।

म.प्र. जन अभियान परिषद जिला मंडला द्वारा संगम महाराजपुर स्थित लगभग वर्ष 1890 में निर्मित प्राचीन बावड़ी की साफ-सफाई एवं संरक्षण का कार्य किया गया। बताया जाता है कि इस बावड़ी की विशेष संरचना के कारण इसमें नर्मदा का जल स्वतः पहुंचता था तथा प्राचीन समय में इसी बावड़ी से पूरे महाराजपुर में पानी की आपूर्ति होती थी। समय के साथ उपेक्षा के कारण यह बावड़ी खंडहर में तब्दील हो गई थी।

सुबह 6 बजे से 8:30 बजे तक समाजकार्य स्नातक एवं स्नातकोत्तर के विद्यार्थियों ने श्रमदान कर बावड़ी को पुनः स्वच्छ एवं आकर्षक स्वरूप प्रदान किया। मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम के अंतर्गत म.प्र. जन अभियान परिषद की प्रस्फुटन एवं नवांकुर समितियों तथा समाजकार्य विद्यार्थियों द्वारा गांव-गांव में जनजागरूकता अभियान भी चलाया जा रहा है।

श्रमदान कार्यक्रम में जिला समन्वयक राजेन्द्र चौधरी, बाल संरक्षण आयोग के अध्यक्ष गजेन्द्र गुप्ता, विकासखंड समन्वयक संतोष कुमार झारिया, समस्त परामर्शदाता, नवांकुर संस्थाओं के प्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में समाजकार्य के विद्यार्थी शामिल हुए।

नारायणगंज में दवा व्यापारियों का जोरदार विरोध

*** GSR प्रावधानों के खिलाफ उठी आवाज।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला/नारायणगंज

ऑल इंडिया केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन के आवाहन पर केंद्र सरकार द्वारा जारी GSR 817(E) एवं GSR 220 से संबंधित ऑनलाइन फार्मेसी एवं ई-प्रिसक्रिप्शन व्यवस्था के विरोध में आयोजित देशव्यापी हड़ताल का नारायणगंज दवा व्यापारी संघ द्वारा पूर्ण समर्थन किया गया। इसी क्रम में नगर के दवा व्यापारियों ने एकजुट होकर अपनी दुकानें बंद रखीं तथा अपनी मांगों के समर्थन में तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा।

दवा व्यापारियों का कहना है कि ऑनलाइन फार्मेसी एवं ई-प्रिसक्रिप्शन व्यवस्था से स्थानीय दवा विक्रेताओं एवं छोटे व्यापारियों के हित प्रभावित होने की संभावना है। साथ ही अनियंत्रित ऑनलाइन दवा विक्रय व्यवस्था से दवाओं की उपलब्धता, वितरण प्रणाली एवं आम नागरिकों की स्वास्थ्य सुरक्षा संबंधी पहलुओं पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है व्यापारियों ने बताया कि इस हड़ताल का उद्देश्य किसी प्रकार की असुविधा उत्पन्न करना नहीं बल्कि अपनी समस्याओं एवं मांगों को शासन तक पहुंचाना है। साथ ही आम नागरिकों को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए अति-आवश्यक एवं आपातकालीन दवाओं की उपलब्धता भी सुनिश्चित की गई। साथ ही दवा व्यापारियों द्वारा औषधि नियमों के प्रति जागरूकता पर भी जोर दिया गया। इस दौरान पास से दवाई देने वाले कुछ चिकित्सकीय क्लीनिकों एवं कुछ कॉस्मेटिक दुकानों को Panderm, Skinshine जैसी मेडिकेटेड क्रीमों का विक्रय नहीं करने तथा औषधि नियमों का पालन करने हेतु समझाइश दी गई।

इस अवसर पर रीतेश सोनी, दिनेश सोनी, कुशाग्र श्रीवास्तव, आयुष शर्मा, अनिल सिंगरोरे, निखिल अग्रवाल, देवेंद्र अग्रवाल, सत्येंद्र यादव, दक्ष अग्रवाल एवं अभिषेक सिंगरोरे उपस्थित रहे।

// शपथ पत्र //

मैं संतोष चौधरी पिता स्व. श्री दुलीचंद चौधरी उम्र 50 वर्ष निवासी बढ़ी माई वार्ड महाराजपुर तह. व जिला मण्डला आ.क्र. - 659533167378 का निम्नांकित कथन शपथपूर्वक करता हूँ:-

01-यह कि मेरा अंग्रेजी में सही नाम के बाद सरनेम **CHOUDHARY** है जो मेरे आधार कार्ड में एवं अन्य दस्तावेजो में अंकित है किन्तु मेरे डाईविंग लायसेंस मे मेरा सरनेम **CHOUDHARI** है जो गलत है जबकि मेरा सही सरनेम **CHOUDHARY** है इस कारण मेरे डाईविंग लायसेंस में अंकित मेरा गलत सरनेम **CHOUDHARI** विलोपित कर मेरा सही सरनेम **CHOUDHARY** अंकित किया जावे।

02-यह कि, मैं अपने सरनेम के सुधार हेतु यह शपथ पत्र संबंधित विभाग के पक्ष में निष्पादित करता हूँ।

शपथकर्ता
संतोष चौधरी

सड़क दुर्घटनाओं को बढ़ा रहे ट्रैक्टर, कृषि कार्य की जगह अन्य कार्यो में नियम विरूद्व हो रहा उपयोग

हरिभूमि न्यूज/ सिहोरा/ बोहानी। शहर में वाहनों की अंधा धुंध रफ्तार और इनकी बढ़ती हुई संख्या से आए दिन सड़क दुर्घटनाएँ हो रही हैं। अक्सर देखा जाता है कि सड़क पर जिन वाहनों की संख्या ज्यादा होती है, उनमें से मुख्य हैं कृषि कार्यों में प्रयुक्त होने वाले ट्रैक्टर जिनका सही मायने में देखा जावे तो रजि. सिर्फ कृषि कार्य के रूप में होता है। मगर लोगों द्वारा कृषि कार्य के नाम पर पंजीयन कराते हुये उनका उपयोग पूर्ण रूप से व्यवसाय में किया जाता है। जिसमें खुलेआम नियमों को नजर अंदाज करते हुये रेत का परिवहन करने के अन्य प्रकार का माल के साथ सवारियां ढ़ोने से इन ट्रैक्टर चालकों की वजह से ज्यादातर दुर्घटनाएँ होते हुये देखा जाना आम बात बन चुकी है। क्योंकि इनमें लगी ट्राली ट्रैक्टर मालिकों की अतिरिक्त आय का जरिया बन चुकी है? बिना टैक्स अदा करे निर्विघ्न रूप से क्षेत्र की सड़को पर तेज गति से दौड़ते यह ट्रैक्टर ट्राली सड़कों पर हादसों का प्रमुख करण बनने से नही चुके रहे है। मगर इसके बावजूद प्रशासन, परिवहन विभाग एवं पुलिस दुर्घटनाओं को आमंत्रण देते हुए दौड़ने वाले इन वाहनों पर कार्यवाही करने में अक्षम सिद्ध हो रहे हैं? प्रशासन की इस लापरवाही का खामियाजा उन निरीह और बेबर नागरिकों को भुगतना पड़ रहा है। यह जानकर हैरत होगी कि हाईवे पर घटित अधिकांश दुर्घटनाओं के कारण ये ट्रैक्टर ट्राली ही माने जाते है। यदि सच्चाई पर गौर किया जावे तो इस समय शहरों से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में धडल्ले से सड़को पर रेत लेकर दौड़ने वाले इन ट्रैक्टर ट्रालियों को पुलिस प्रशासन के जिम्मेदार अधिकारी मात्र उनकी रेत रायल्टी देखते हुये छोड़ देते है। जबकि रेत या फिर मिट्टी परिवहन करने वाले वाहनों का खजिन विभाग में पंजीयन होना अति आवश्यक होता है तभी वह रेत या फिर अन्य प्रकार के खनिज का परिवहन कर सकते है। मगर इसके बाद भी न तो आरटीआई विभाग द्वारा इस ओर किसी भी प्रकार से ध्यान दिया जा रहा है और न ही पुलिस के अधिकारियों द्वारा जिसके चलते कृषि कार्य के नाम पर पंजीकृत इन ट्रैक्टर ट्रालियों को लक्ष्मी नारायण का पूजन करते हुये अभयदान प्रदान करने में कोई कसर नही छोड़ रहे है? इस तरह ग्रामीण क्षेत्रों से लेकर शहरी क्षेत्र में आने वाले ट्रैक्टरों के पीछे लगी ट्राली में माल को लादने के बाद उसके ऊपर इतनी सवारियां बैठा लेते हैं कि उसे देखकर लोगों को अचंभित होना पड़ता है कि आखिर ये सवारियां बिना सहारे के कैंसे बैठती हैं? क्योंकि ट्राली में पकड़ कर बैठने का कोई साधन नहीं होता जो यात्रियों को हिलने डुलने या गिरने से बचा सके तथा कम किराये एवं घर से गंतव्य तक पहुँचने के कारण इन यात्रियों को मौत का भय भी नहीं लगता है। वही देखा जाता है कि ऊबड़ खाबड़ रास्ते एवं हिचकोले खाता हुआ ट्रैक्टर और उस पर सवार ग्रामीणों को ईश्वर का ही सहारा होता है अन्यथा ट्रैक्टर चालक को तो यह पता भी नहीं होता कि बैठे लोग किस मुसीबत को सहन कर रहे हैं, जिसमें अब ऐंसे ग्रामों की संख्या दो अंकों में ही होगी जहाँ आधुनिकता की निशानी यह कृषि यंत्र न होकर अब यह रेत, गिट्टी, मिट्टी, ईंट, लोहा, विल्डिंग मटेरियल एवं अन्य सामग्रियों को ढोने वाले वाहन बन चुके हैं। जबकि सही मायाने में देखा जावे तो ट्रेक्टर का उपयोग मात्र खेती के लिए ही होता है और इसी के चलते ट्रेक्टर ही हर ट्राली पर कृषि कार्य हेतु लिखा रहता है। मगर इसके बाद भी धडल्ले से लोगों द्वारा संपूर्ण नियम कायदे कानूनो को दर किनार करते हुए इन ट्रेक्टरों का उपयोग अब खेती की जगह व्यवसाय में किया जा रहा है, इतना ही नही यदि सच्चाई पर नजर डाली जावे तो अनेक ट्रेक्टर मालिक तो इस प्रकार से देखे जा रहे है जिनके पास खेती के नाम पर जमीन ही नही है इसके बाद भी बैकों द्वारा जहां उन्हें ट्रेक्टर लेने के लिए लोन दी जा रही है, वही दूसरी ओर आर टी ओ विभाग द्वारा धडल्ले से ट्रेक्टरों का रजि. करते हुए सड़कों पर मौत का साधन प्रदान करने में देरी नही कर रहा है।

ग्रामीण क्षेत्रों में बने हुये यात्री प्रतिक्षालय शराब खोरी करने वालों के चलते अहातों का कर रहे रूप धारण

खुलेआम होने वाली शराबखोरी गांव गांव बिकने वाली अवैध शराब की उजागर कर रही सच्चाई, रात दिन होने वाले शराब खोरी से बस यात्रियों में दहशत...

हरिभूमि न्यूज/सांईखेडा

जिस प्रकार की सोच के चलते ग्रामीण क्षेत्रों में मुख्य मार्गो के किनारे पूर्व में क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों द्वारा अपनी निधि की लाखों की राशि करते हुए आमजन की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए जहां तहां छोटे बस स्टेन्डों यानि की यात्री प्रतिक्षालयों का निर्माण कराया गया था। मगर वह जन उपयोगी कम और आवारा गर्दी सहित शराब खोरी के लिए अहाते के रूप में ज्यादा उपयोगी साबित होते हुए दिखाई पड़ रहे है? बताया जाता है कि ग्रामीण क्षेत्रों से शहरों के लिए यात्रा करने वाले आमयात्रियों सहित महिलाओं को जब बसों का इंतजार करने के लिए परेशान होती थी तो क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों द्वारा अपनी निधि की राशि खर्च करते हुए जहां तहां मुख्य मार्गो के किनारे छोटे छोटे बस स्टेन्डों यानि की यात्री प्रतिक्षालयों का निर्माण कराया गया था जिसके पीछे उनकी सोच रही होगी कि इन प्रतिक्षालयों में महिलाएं शुकुन के साथ बैठकर बसो का इंतजार कर सकेगी। मगर इन प्रतिक्षालयों पुलिस प्रशासन की उदासीनता के चलते जिस प्रकार की सच्चाई देखने मिल रही है जिसके चलते अब यह जान पड़ने लगा है कि जिस प्रकार की सोच के चलते क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों द्वारा इनके निर्माण हेतु अपनी राशि खर्च की गई है वह सिर्फ बर्बाद करने के आलवा और कुछ नही है? क्योंकि जहां एक ओर स्टैट स्तर के हाईवे किनारे चलने वाली शराब दुकानों को तक हटाने का आदेश दिया गया है तो दूसरी ओर अब शराब ठेको के पास बैठकर शराब पीने पर रोक लगाते हुये एक साल पहले अहाते भी बंद करा दिये गये। मगर जिस प्रकार से सड़क किनारे होने वाली शराब खोरी पर रोक नही लग पा रही है। वही चिंता का विषय बनने से नही चूक रही है। वही दूसरी ओर सरकार द्वारा लगातार स्वच्छता का संदेश देते हुए सरकारी भवनों स्वच्छ बनाने के आदेश दिये गये थें। मगर इसके बाद भी देखा जा रहा है कि जिस प्रकार से इन स्टेट हाईवे किनारे बने प्रतिक्षालय इस समय शराब खोरी का अड्डा बने हुए दिखाई देने से नही चूक रहे है तथा इनमें व्याप्त गंदगी की सच्चाई इस प्रकार से बनी हुई है कि उनमें महिलाओं को बैठने की बात तो दूर उनके अंदर घुस पाना भी मुश्किल होते हुए देखा जा रहा है। इस सच्चाई को देखते हुए जहां सरकार द्वारा स्टैट हाईवे किनारे शराब दुकानों पर लगाई गई रोक व सरकार द्वारा चलाये गये स्वच्छता अभियान की सच्चाई पर भी प्रश्न चिन्ह लगने से नही रहा है? इस प्रकार से शासकीय राशि से बने हुए इन प्रतिक्षालयों में हो रही सच्चाई इस समय गाडरवारा सांईखेड़ा स्टैट स्तर के माने जाने वाले इस मुख्य मार्ग किनारे बने हुए शासकीय यात्री प्रतिक्षालयों में देखने मिल रही है..? जहां पर बताया जाता है कि सांईखेड़ा पुलिस थाने के अंतर्गत आने वाले इस शासकीय यात्री प्रतिक्षालय में रात की बात तो दूर दिन दहाड़े भी खुलेआम शराब खोरी होते हुए देखी जाती है जिसके कारण जहां यह यात्री प्रतिक्षालय पूर्णरूप से शराब का अड्डा साबित होते हुए जान पड़ रहा है। वही दूसरी ओर इसके अंदर स्थापित गंदगी का साम्राज्य शासन द्वारा चलाये गये स्वच्छता अभियान की सच्चाई पर भी सबाल खड़े करते हुए जान पड़ रहा है? बताया जाता है कि प्रकार से यहां के शासकीय यात्री प्रतिक्षालय में पड़ी हुई शराब की खाली बोतले यहां पर चलने वाली शराब खोरी का खुलेआम उदाहरण देते हुए देखी जा रही है। वही यात्री प्रतिक्षालय के अंदर फैली हुई गंदगी के चलते बस यात्रियों का इसके अंदर घुसपाना मुश्किल होते हुए दिखाई दे रहा है? गौरतलब है कि ग्राम पाली खैरी सहित अन्य ग्रामों के लोग जब गाडरवारा या फिर सांईखेड़ा सहित अन्य जगहों पर पहुंचने के लिए बसों का इंतजार करते है तो उन्हें बारिश हो या फिर गर्मी का मौसम यह यात्री प्रतिक्षालय काफी सुविधा जनक साबित होता था। मगर इन यात्री प्रतिक्षालयों में महिलाएं सुरक्षित रूप से बैठकर बसों का इंतजार करते हुए देखी जाती थी। मगर वर्तमान समय में शराब खोरी का अड्डा बन जाने के कारण जहां महिलाओं का इन यात्री प्रतिक्षालय में घुसपाना मुश्किल होता रहा है। वही दूसरी ओर इस संपूर्ण क्षेत्र में शराबखोरी करने वालों के आंतक के चलते बस यात्रा करने वाली महिलाओं को सबसे अधिक परेशानियों का सामना करने के लिए मजबूर होते हुए देखा जाता है..? जबकि गौर करने वाली बात तो यह है कि गाडरवारा सांईखेड़ा मुख्य मार्ग पर स्थित होने के कारण इस मार्ग से अनेक पुलिस विभाग सहित अन्य विभागों के अधिकारियों का दिन भर निकलना लगा रहता है, वही क्षेत्र के अनेक प्रकार के नेता भी दिन में अनेकों बार इस यात्री प्रतिक्षालय के पास से गुजरते हुए देखे जाते है। मगर आज तक बदहाल स्थिति में पहुंचे इस यात्री प्रतिक्षालय की ओर किसी के द्वारा ध्यान नही दिये जाने के कारण स्थिति इस प्रकार से बन चुकी है कि इस यात्री प्रतिक्षालय में रात दिन चलने वाली खराब खोरी के चलते महिला बस यात्रियों को सबसे अधिक परेशानियों से जूझने के लिए सिर्फ मजबूर ही नही बल्कि शराब खोरी करने वाले मनचलों की अश्लील हरकतों का शिकार तक होना पड़ रहा है? वही दूसरी ओर यहां पर चलने वाली शराब खोरी के चलते इस मार्ग से निकलने वाले आम लोगों में भी अब दहशत की स्थिति निर्मित होते हुए देखी जाने लगी है तो दूसरी ओर गांव गांव अवैध रूप से बिकने वाली शराब की सच्चाई भी उजागर होने से नही चूक पा रही है। इस सच्चाई को ध्यान में रखते हुए क्षेत्र के लोगों द्वारा सांईखेड़ा पुलिस प्रशासन से इस प्रकार मुख्य मार्ग पर बने हुए शासकीय भवन यानि की यात्री प्रतिक्षालय में होने वाली शराब खोरी पर अंकुश लगाने की गुहार लगाई जा रही है। वही क्षेत्र के लोगों का कहना है कि यदि पुलिस प्रशासन द्वारा समय रहते हुए इस ओर ध्यान नही दिया गया तो निश्चित ही इस जगह पर किसी दिन कोई न कोई बड़ी घटना घटित होने की संभावना से इंकार नही किया जा सकता है? वही दूसरी ओर यदि गौर किया जावे तो जिस प्रकार से इस यात्री प्रतिक्षालय के अंदर शराब की खाली बोतले व अन्य सामग्री पड़ी हुई है उससे यह बात भी सिद्व होते हुए जान पड़ रही है कि इस क्षेत्र में निश्चित ही बड़े स्तर पर शराब बिक्री का अवैध कारोबार संचालित हो रहा है। उसी का परिणाम है कि लोगों का आसानी से शराब उपलब्ध होने के कारण वह इस मुख्य मार्ग किनारे बने हुए यात्री प्रतिक्षालय अहातों का रूप धारण करने से नही चूक रहे है। क्योंकि यदि कोई व्यक्ति किसी शहर से शराब खरीदकर ले जावे और इस यात्री प्रतिक्षलय में बैठकर पीये तो यह संभव हो ही नही सकता है? यह बात स्पष्ट है कि इन यात्री प्रतिक्षालयों के आसपास बडे स्तर से शराब का अवैध कारोबार संचालित हो रहा है।

देशव्यापी केमिस्ट्स हड़ताल को नगर के मेडीकल संचालकों ने समर्थन देते हुये दुकानें बंद रखते हुये सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।

ऑल इंडिया ऑर्गेनाइजेशन ऑफ केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स (AIOCD) के आह्वान पर 20 मई को संपूर्ण देशभर के केमिस्ट एवं ड्रगिस्ट्स द्वारा अवैध एवं अनियंत्रित ऑन लाइन दवा बिक्री तथा जन स्वास्थ्य एवं लाखों छोटे केमिस्ट्स के अस्तित्व से जुड़े गंभीर मुद्दों के विरोध में राष्ट्रव्यापी एक दिवसीय सांकेतिक हड़ताल सफलता पूर्वक आयोजित की गई। इस राष्ट्र व्यापी आयोजन में गाडरवारा शहर के मेडीकल संचालको द्वारा अपना समर्थन देते हुये जहां अपने अपने प्रतिष्ठान बंद रखने के साथ साथ एकत्र होकर अनुविभागीय अधिकारी को ज्ञापन सौपा गया। बताया जाता है कि AIOCD एवं MPCD केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स एसोसिएशन के आह्वान पर नगर सहित तहसील गाडरवारा क्षेत्र के सभी केमिस्ट एवं ड्रगिस्ट्स ने अपने प्रतिष्ठान पूर्णतः बंद रखकर आंदोलन को सर्व सम्मति से समर्थन प्रदान किया। जिला केमिस्ट एसोसिएशन के सचिव श्रीराम अग्रवाल ने बताया कि उनके द्वारा की गई हड़ताल के दौरान देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम संबोधित ज्ञापन अनुविभागीय अधिकारी के माध्यम से सौंपा गया। जिसमें सरकार का ध्यान निम्नलिखित अत्यंत गंभीर मुद्दों की ओर आकर्षित किया गया। नगर के केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स एसोसिएशन द्वारा सौपे गये अपने ज्ञापन में मांगों को लेकर उल्लेखित किया गया है कि

दवाओं की अवैध एवं अनियमित ऑनलाइन बिक्री पर रोक तथा बिना वैध एवं सत्यापित चिकित्सकीय पर्चे के दवाओं की बिक्री एवं होम डिलीवरी व ऑनलाइन दवा प्लेटफॉर्म्स द्वारा अत्यधिक छूट (Deep Discounting) की अनुचित नीति, जिससे छोटे एवं लाइसेंसधारी केमिस्ट्स गंभीर रूप से प्रभावित हो रहे हैं। वही ज्ञापन में यह भी मांग की गई कि GSR 817(E) एवं GSR 220(E) को तत्काल प्रभाव से वापस लिया जाए। जिनका दुरुपयोग विभिन्न ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स एवं क्विक कॉमर्स ऑपरेटर्स द्वारा दवाओं की अनियंत्रित डिलीवरी के लिए किया जा रहा है।केमिस्ट एवं ड्रगिस्ट्स ने गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि दवाएं सामान्य उपभोक्ता वस्तु नहीं हैं तथा उचित सत्यापन के बिना उनकी अनियंत्रित ऑनलाइन बिक्री जन स्वास्थ्य, मरीजों की सुरक्षा एवं ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट के अंतर्गत स्थापित नियामकीय व्यवस्था के लिए गंभीर खतरा उत्पन्न कर रही है।

फार्मास्यूटिकल व्यापार से जुड़े प्रतिनिधियों ने यह भी दोहराया कि कोविड महामारी के दौरान देशभर के केमिस्ट्स ने फ्रंटलाइन हेल्थकेयर सपोर्ट प्रदाताओं के रूप में निरंतर सेवाएं देते हुए आमजन तक दवाओं की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित की थी। इसके बावजूद अवैध ऑनलाइन गतिविधियों के संबंध में बार-बार ज्ञापन एवं प्रमाण प्रस्तुत करने के बाद भी संबंधित प्राधिकरणों द्वारा अब तक कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई है। अतः केमिस्ट समुदाय ने केंद्र सरकार से आग्रह किया है कि मरीजों की सुरक्षा, जन स्वास्थ्य एवं लाखों छोटे लाइसेंसधारी केमिस्ट्स एवं उनके कर्मचारियों के हितों की रक्षा हेतु तत्काल प्रभावी एवं सुधारात्मक कदम उठाए जाएं। गाडरवारा मे आयोजित यह हड़ताल पूर्णतः शांतिपूर्ण रही तथा इसे केमिस्ट एवं ड्रगिस्ट समुदाय का व्यापक समर्थन प्राप्त हुआ। एसोसिएशन द्वारा जरूरतमंद मरीजों को आवश्यक एवं आपातकालीन दवाएं उपलब्ध कराकर मानवीय दायित्व का भी निर्वहन किया गया।

शतचंडी महायज्ञ में श्रद्धालु ले रहे धर्मलाभ, कुसंगति से दूर रहे युवा पीढ़ी - विपिन बिहारी महाराज

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।

समीपस्थ ग्राम कामती के यज्ञ शाला प्रांगण में 5 कुण्डीय श्री शतचंडी महायज्ञ एवं नर्मदा चिंतन महापुराण का आयोजन के प्रेरणास्रोत अवधूत महायोगी श्री दादा गुरु भगवान की प्रेरणा से 17 मई से शुरू हो चुका है। प्राप्त जानकारी के अनुसार 17 मई को कलश यात्रा के साथ शुरू हुआ यह धार्मिक आयोजन क्षेत्रवासियों के लिये आस्था का एक अनूठा संगम बन रहा है। इसी के चलते यज्ञ स्थल पर प्रतिदिन रात को संतो के प्रवचन हो रहे है। प्रवचन में प्रथम दो दिन विपिन बिहारी महाराज ने अपने ठेठ देहाती बुंदेली भाषा में कहा कि दो चीज अपने वाले ही देते हैं दाग एवं दगा। हमें अच्छे लोगों से संगति करना चाहिए एवं बुरी संगत वालों से कोसों दूर रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि मानव जीवन 84 करोड़ योनियों के बाद प्राप्त होता है। अतः इसको ऐसे ही नई गवां देना चाहिए बल्कि बार-बार ईश्वर का स्मरण एवं भजन करना चाहिए। साथ ही अपने माता-पिता एवं सास ससुर का सम्मान करना चाहिए। हमें सदैव जीवन उपार्जन श्रम एवं मेहनत ईमानदारी के धन से करना चाहिए। हमारी प्रकृति नियंत्रक है वह सदैव संतुलन बनाकर रखती है। जैसा हम कर्म करेंगे वह लौटकर पुनः अपने पास आएगा। उन्होंने वर्तमान में युवा पीढ़ी को अपने कर्तव्य पद पर अग्रसर होने की सीख दी। उन्होंने युवाओं को नसीहत देते हुए कहा कि उन्हें व्यसनो से दूर रहना चाहिए। यज्ञ मे बड़ी संख्या में श्रद्धालु पुण्य लाभ ले रहे है।

खुली नालिया बजा रहे खतरे की घंटी

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। इस समय नगर में देखा जा रहा है कि नपा द्वारा जहां तहां निर्माण कार्य तो किये जा रहे है, मगर वही दूसरी ओर देखा जा रहा है कि नगर में बन रही नालियों को बंद नही किये जाने के कारण वह आमजन के लिए खतरा की घंटी बजा रही है, जिसके चलते जहां आये दिन इन खुली पड़ी नालियों में मवेशी गिरकर घायल हो रहे है, वही दूसरी ओर वाहन चालक भी गिरकर घायल होने से नही बच पा रहे है, अब यह पता नही है कि यह नगरपालिका की उदासीनता का परिणाम है कि या फिर ठेकेदारों की मनमानी का? मगर सच्चाई यह है कि इस प्रकार से नगर में जहां तहां खुली पड़ी नालियों के चलते आमजन के जान के लिए खतरा जरूर बना हुआ है।

सड़कों पर धडल्ले से नाबालिग किशोर दौड़ा रहे है वाहन चैकिंग के नाम पर जारी होने वाले आदेश हो जाते है दरकिनार

हरिभूमि न्यूज/सालीचौका। शहर में बढ़ती वाहनों की संख्या और तेज गति से वाहनों का सड़कों पर दोड़ना वैसें ही दुर्घटनाओं का आमंत्रण देते दिखाई दे रहा है? वही दूसरी ओर देखा जा रहा है कि नगर की सड़कों पर जिस प्रकार से नाबांलिग किशोरों को दो पहिया वाहन दौड़ाते हुए देखा जाता है उससे उनकी जान को तो खतरा बन ही रहा है साथ ही साथ दूसरों की जान को भी खतरा पैदा करते हुए देखा जा रहे है? जिसमे प्रमुख रूप से देखा जावे तो कम उम्र के बच्चों द्वारा दो पहिया से लेकर चार पहिया वाहन चलाना दूसरो के लिए खतरा बना हुआ है। क्योंकि इस समय नगर में देखा जावे तो अनेक जगहों पर 12 वर्ष सें लेकर 16 वर्ष की आयु वालें सैकड़ों किशोर व किशारियाँ वाहन चलाते हुये आसानी से दिखाई दे जाते है। इसे अभिभावक का बच्चों के प्रति लगाव कहे या भौमिकवाद की दौड़ में दिखावा जो बिना लाईसेंस के वाहन चला रहे कम उम्र के बालक बालिका नासमझी में हादसें का शिकार हो सकते है साथ ही साथ इनकी नादानी से दूसरों की जिन्दगी भी खतरे में पड़ सकती है? इसी बात को लेकर आये दिन पुलिस मुख्यालय भोपाल से आदेश जारी होता है कि पुलिस द्वारा इस प्रकार से वाहन चालकों के खिलाफ चैकिंग करते हुए सख्त कार्यवाही करे। मगर उसे आदेश का कही भी पालन होते हुए दिखाई नही देता है जिसका परिणाम यह सामने आने से नही चूकता है कि जिस प्रकार से सड़क दुर्घटनाएं घटित होती है उनमें अधिकांश मामलों में नाबालिंगों द्वारा वाहन दौड़ाने की सच्चाई सामने आने से नही चूकते है..? कुछ इस प्रकार से इन दिनों भी पुलिस द्वारा मा. उच्च न्यायालय के आदेश पर वाहन चैकिग अभियान तो चलाया जाता है। मगर वह अभियान मात्र हेलमेंट तक सीमित रहना चर्चा का विषय बनाने के साथ पुलिस द्वारा इसमें भी निभाई जा रही औपचारिकता सबाल खड़े करने से नही चूक पाता है..? सही मायने में देखा जावे तो यह आदेश पुलिस के लिये दुधारू गाय साबित होने से नही चूक पाता है जिसके चलते धन की वर्षा के चलते इन मनमानियों पर अंकुश लगना मुश्किल होने से नही चूक पा रहा है..? इस प्रकार से देखा जावे तो शायद पुलिस मुख्यालय से जारी होने वाले आदेशों का पालन करना स्थानीय अधिकारियों द्वारा कोई जरूरी नही समझा जाता है, जिसके चलते आम लोगों की जिन्दगी खतरे में दिखाई दे रही है और वाहन चालक पूर्णरूप से अपनी मनमानी पर उतारू नजर आ रहे हैं। क्योंकि जिस प्रकार से नगर की सड़को पर कम उम्र के बच्चों को वाहन दौड़ाते हुए देखा जा रहा है वह पुलिस प्रशासन की उदासीनता का खुला प्रमाण देते हुए जान पड़ रहे है। क्योंकि इस प्रकार से छोटे बच्चों को वाहन दौड़ाते हुए समय आगे निकलनें की होड़ रहती है जिसके चलते वह सड़कों पर अपने वाहन चलाते हुए एक दूसरें से आगे निकलने के लिए रेस लगाते है साथ ही बाइक की गति और सड़को पर अनोखे करतबो का प्रदर्शन करते हुए भीड़ भरी सड़को पर आसानी से देखे जाते है, वही दूसरी ओर देखा जावे तो शाम होतें ही नगर की सड़कों पर कई किशोर जिनकी उम्र की बात तो दूर जिस वाहन पर बैठे हुए होते है उनका उसके ब्रेकों तक पैर तक नही पहुंच पाते मगर इसके बाद भी उसे नगर की सड़कों पर जिस प्रकार से वाहन चलाको की धमाचौकड़ी शुरू होती है वह देर रात तक जारी रहने से लोगों का सड़को पर निकलना मुश्किल हो जाता है, इतना ही नही यह लोग नगर कें प्रमुख मार्गो पर हार्न बजातें हुए और तेज गति से वाहन दौड़ातें हुए रोजाना देखे जा सकते है कई मौको पर तो ये किसी दुर्घटना का शिकार होते हाते बच जाते है? मगर इस ओर न तो प्रशासन ध्यान दे रहा है और नही उनके अभिभावक जिसके चलते वाहन दौड़ाने वाले बच्चों के साथ साथ दूसरों की जिन्दगी के लिए भी खतरा पैदा होते हुए जान पड़ रहा है।

टीआई चौहान का सटोरियों के खिलाफ घूमा डंडा, आधा दर्जन सटोरिया आये पुलिस की पकड़ में

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। सट्टा के अवैध कारोबार पर अंकुश लगाने के लिये जिला पुलिस अधीक्षक डा ऋषिकेश मीना द्वारा सभी थाना प्रभारियों को कार्यवाही के लिये सख्त आदेश जारी किये गये है। इसी के चलते नगर निरीक्षक अशोक सिंह चौहान द्वारा नगर सहित क्षेत्र में भ्रमण करते हुये अवैधानिक कृत्यों को संचालित करने वालो पर पैनी नजर रखे हुये है। वही दूसरी ओर बीते हुये बुधवार को मुखबिर की सूचना के आधार पर टीआई चौहान की टीम द्वारा अलग अलग स्थानों पर की गई छापे मारी के दौरान आधा दर्जन सटोरिया पुलिस की गिरप्त में आने की खबर है। इस संबंध में पुलिस थाने से मिली जानकारी के अनुसार पुलिस द्वारा सटोरियों के खिलाफ की गई कार्यवाही के दौरान नगर के चंदू छीपा पिता स्व. फूल सिंह छीपा उम्र 53 वर्ष, निवासी नरसिंह वार्ड, फूलचंद श्रीवास पिता ओंकार श्रीवास उम्र 46 वर्ष, निवासी राजेन्द्र बाबू वार्ड, नदीम खान पिता नसीर खान उम्र 40 वर्ष निवासी जवाहर वार्ड, अशोक कुमार पिता फूलचंद कोरी उम्र 60 वर्ष निवासी बीजासेन वार्ड, रवि शर्मा पिता रामलाल शर्मा उम्र 32 वर्ष निवासी जगदीश वार्ड, विक्की गुप्ता पिता श्यामलाल गुप्ता उम्र 42 वर्ष निवासी हनुमान वार्ड को सट्टा पट्टी काटते हुये पकड़कर पुलिस ने आरोपियों के पास से सट्टा पट्टी पेन कार्वन सहित अन्य सामग्री व नगदी 20940 रूपये जप्त करते हुये आरोपियों के खिलाफ 4 क जुआ अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है।

क्या कभी इन नहरों में जल बहते हुये देखने का सौभाग्य मिल पायेगा...?

हरिभूमि न्यूज/कौड़िया। इस समय देखा जा रहा है कि क्षेत्र का किसान नही मिल पाने के कारण अपनी फसलों को लेकर परेशान देखे जा रहे है। वही दूसरी ओर स्थिति इस प्रकार से है कि वह आगामी फसलों की तैयारियों को लेकर पानी की व्यवस्था तक पूरी करने में असमर्थ महसूस करने से नही चूक रहे है, मगर वही दूसरी ओर गौर किया जावे तो क्षेत्र में जहां शासन द्वारा करोड़ो रूपया खर्च करते हुए क्षेत्र के किसानों के खेतों में से नहरों का निर्माण तो कर दिया गया है, मगर उन नहरों में जरूरत के समय पानी नही आने के कारण उनके औचित्य पर भी सबाल खड़े होने लगे है, गौर किया जावे तो जब क्षेत्र में नहरों के निर्माण कार्य की शुरूआत हुई थी उस समय क्षेत्र के किसानों के चेहरों में इस सोच के साथ खुशी झलक रही थी कि क्षेत्र में नहरों का निर्माण होने के कारण उनकी जिन्दगी संभल जावेगी? जब नहरों से पानी आवेगा तो वह अपने खेतों में भर पूर फसल लेते हुए खुशहाली से झूम उठेगे, मगर इस समय वह खुशी उनके लिए मात्र एक सपना ही साबित हुए जान पड़ रही है..? क्योंकि क्षेत्र में बनी हुई नहरे मात्र उन्हें चिडाते हुए जान पड़ रही है।

खबर संक्षेप

725 क्विंटल अमानक मसूर मिलने से हड़कंप गोदाम में मिली घुनी हुई बोरियां, प्रबंधक को नोटिस जारी

डिंडौरी न्यूज । खाद्य शाखा जिला डिंडोरी द्वारा रबी विपणन वर्ष 2026.27 के अंतर्गत संचालित चना एवं मसूर खरीदी कार्य में गंभीर अनियमितताएं पाए जाने पर बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति बी.पेक्स डिंडोरी के प्रबंधक एवं प्रभारी खरीदी केंद्र निगवानी श्री रघुवर सिंह गौतम को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। जारी नोटिस के अनुसार दिनांक 19 मई 2026 को कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी श्री आकाश तुरकर द्वारा निगवानी खरीदी केंद्र स्थित एमपीडब्ल्यूएलसी गोदाम का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान कृषकों द्वारा लाए गए मसूर की बिना साफ.सफाई एवं ग्रेडिंग के सीधे शासकीय बारदानों में भराई किए जाने की स्थिति पाई गई। जांच में मसूर में सिकुड़े हुए दानेए कचरा एवं तेवड़ा की मात्रा पाए जाने से सामग्री अमानक स्तर की पाई गई। निरीक्षण के दौरान गोदाम क्रमांक 19 में विगत वर्षों की उपार्जित मसूर की 5 बोरी घुनी हुई मिली। वहीं लगभग 250 शासकीय बोरियों में भरी मसूर के नमूनों में भी अमानक स्तर की सामग्री पाए जाने की पुष्टि हुई। इसके अतिरिक्त गोदाम क्रमांक 18 में लगभग 1200 बोरियों में भरी 600 क्विंटल मसूर अमानक स्तर की पाए जाने पर वेयरहाउस कर्मचारियों द्वारा पृथक रखवाई गई थी।जांच में यह भी सामने आया कि गोदाम क्रमांक 18 एवं 19 में संग्रहित कुल 8200 क्विंटल मसूर में से मात्र 3560ण्5 क्विंटल का ही आर.टू.टी ;टीसीद्ध जारी किया गया थाए जिससे किसानों के भुगतान में विलंब होने की स्थिति निर्मित हुई। जांच के दौरान कुल 725 क्विंटल मसूर अमानक स्तर का पाया गया। कलेक्टर द्वारा जारी नोटिस में उपार्जन नीति की कंडिका 7ए 8ण्7 एवं 10;3द्ध;5द्धए 10;3द्ध;7द्ध के उल्लंघन का उल्लेख करते हुए संबंधित संस्था को ब्लैक लिस्टेड करने एवं जिम्मेदारों के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही किए जाने संबंधी कारण पूछा गया है। संबंधित प्रबंधक को नोटिस प्राप्ति के तीन दिवस के भीतर लिखित जवाब प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं।

अवैध स्टोन क्रेशर मामले में एनजीटी की संयुक्त समिति ने किया विस्तृत निरीक्षण

अधिवक्ता सम्यक जैन की याचिका पर कार्रवाई, कई विभागों के अधिकारी रहे उपस्थित

डिंडोरी। जिले में अवैध रूप से संचालित किए जा रहे स्टोन क्रेशर और पर्यावरणीय नियमों के कथित उल्लंघन की शिकायत पर नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) द्वारा गठित संयुक्त जांच समिति ने संबंधित स्थल का विस्तृत निरीक्षण किया। यह कार्रवाई अधिवक्ता सम्यक जैन द्वारा एनजीटी में दायर याचिका के आधार पर की गई। निरीक्षण के दौरान एसडीएम डिंडोरी, जिला खनिज अधिकारी, मध्यप्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (एमपीपीसीबी) के अधिकारी, केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के प्रतिनिधि, खनन एवं भूविज्ञान विभाग के अधिकारी तथा याचिकाकर्ता अधिवक्ता सम्यक जैन मौजूद रहे। संयुक्त समिति ने मौके पर पहुंचकर स्टोन क्रेशर की वैधानिक स्वीकृतियों, भूमि उपयोग परिवर्तन, पर्यावरणीय अनुमति, प्रदूषण नियंत्रण उपायों, जल छिड़काव व्यवस्था, ग्रीन बेल्ट विकास तथा आसपास के खेतों और आबादी पर पड़ रहे प्रभावों का गहन निरीक्षण किया। इसके साथ ही संबंधित दस्तावेजों और अभिलेखों की भी जांच की गई।

बिना वैधानिक स्वीकृति के संचालन का आरोप

याचिका में आरोप लगाया गया है कि संबंधित स्टोन क्रेशर बिना आवश्यक अनुमतियों के संचालित किया जा रहा है, जिससे क्षेत्र में धूल और ध्वनि प्रदूषण फैल रहा है तथा पर्यावरण को गंभीर नुकसान पहुंच रहा है। साथ ही स्थानीय किसानों और ग्रामीणों के स्वास्थ्य एवं कृषि गतिविधियों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की शिकायत भी की गई है।

एनजीटी को सौंपी जाएगी रिपोर्ट

संयुक्त समिति निरीक्षण के दौरान एकत्र किए गए तथ्यों और दस्तावेजों के आधार पर अपनी विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर एनजीटी के समक्ष प्रस्तुत करेगी। रिपोर्ट के परीक्षण के बाद न्यायाधिकरण मामले में आवश्यक निर्देश जारी करेगा और आगे की कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

पीएचई और पंचायत विभाग की लापरवाही से राजगढ़ी टोला में पेयजल संकट गहराया, महीनों पहले बोर खनन के बावजूद नहीं लगी मोटर

शहपुरा। मेहद्वानी विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत सारसडोली के राजगढ़ी टोला में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग और पंचायत विभाग की लापरवाही के कारण ग्रामीण भीषण पेयजल संकट का सामना कर रहे हैं। गर्मी के इस मौसम में ग्रामीण बूंद बूंद पानी के लिए परेशान हैं।जानकारी के अनुसार गांव में कई महीने पहले बोर खनन कराया गया था जिसमें पर्याप्त मात्रा में पानी भी निकला था। इससे ग्रामीणों में राहत की उम्मीद जगी थी। लेकिन अब तक उस बोर में मोटर स्थापित नहीं की गई है जिससे पेयजल व्यवस्था शुरू नहीं हो सकी है। भीषण गर्मी के चलते स्थिति लगातार गंभीर होती जा रही है। ग्रामीणों का कहना है कि महिलाओं और बच्चों को दूर दूर से पानी लाने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। कई बार पंचायत और संबंधित विभाग के अधिकारियों को समस्या से अवगत कराया गया लेकिन केवल आश्वासन ही मिले हैं।ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि दोनों विभागों की उदासीनता के कारण पूरा गांव प्रभावित हो रहा है। एक ओर सरकार हर घर जल पहुंचाने का दावा कर रही है वहीं दूसरी ओर राजगढ़ी टोला में लोग मूलभूत पेयजल सुविधा से वंचित हैं।ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते मोटर लगाकर पेयजल व्यवस्था शुरू कर दी जाती तो इस संकट से बचा जा सकता था। विभागीय लापरवाही के कारण सरकारी धन खर्च होने के बावजूद ग्रामीणों को लाभ नहीं मिल पा रहा है।ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र पेयजल व्यवस्था बहाल नहीं की गई तो वे आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे। साथ ही जिला प्रशासन से मामले की जांच कर दोषियों पर कार्रवाई और तत्काल पेयजल सुविधा शुरू कराने की मांग की है।

एक वर्ष बीतने के बाद भी अधूरा तालाब निर्माण

अमरपुर। शासन द्वारा जल संरक्षण और जल संवर्धन को लेकर विभिन्न विभागों को सक्रिय किया गया है तथा कई स्थानों पर तालाब, स्टॉप डैम एवं खेत तालाबों का निर्माण कराया जा रहा है। लेकिन जनपद पंचायत अमरपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत मौहारी के बीजा रैयत क्षेत्र में तालाब निर्माण कार्य अब तक अधूरा पड़ा हुआ है।जानकारी के अनुसार तालाब निर्माण को एक वर्ष से अधिक समय बीत चुका है, लेकिन स्थल पर अब भी अव्यवस्था की स्थिति बनी हुई है। यह कार्य वन विभाग की भूमि पर किया जा रहा है, लेकिन कार्य स्थल पर किसी प्रकार का सूचना बोर्ड नहीं लगाया गया है जिससे स्वीकृति वर्ष, राशि एवं मद की जानकारी स्पष्ट नहीं हो पा रही है। इस संबंध में सरपंच सचिव एवं उपयंत्री से संपर्क करने का प्रयास किया गया लेकिन किसी ने भी फोन रिसीव नहीं किया जिससे स्थिति स्पष्ट नहीं हो सकी।ग्रामीणों का आरोप है कि बरसात पूर्व कार्य अधूरा छोड़ दिया गया है और समय आने पर राशि का मूल्यांकन कर भुगतान की प्रक्रिया पूरी कर दी जाएगी। ग्रामीणों ने यह भी बताया कि तालाब निर्माण के दौरान कुछ सागौन के बड़े पेड़ों की कटाई की गई है जो नियमों के विरुद्ध है।इसके अलावा तालाब का निर्माण ऐसे स्थान पर किया जा रहा है जहां बारिश के पानी के बहाव क्षेत्र में जेसीबी से खुदाई कर मिट्टी नीचे डाली गई है जिससे कार्य की गुणवत्ता पर भी सवाल उठ रहे हैं।वहीं वन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि मामला संज्ञान में है और बीट गार्ड को भेजकर आवश्यक जांच एवं कार्रवाई की जाएगी।

ददना बांध की मुख्य नहर से रिसाव, 200 हेक्टेयर भूमि प्रभावित

डिंडोरी। मेंहदवानी विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत सुखलोड़ी के किसानों ने ददना बांध की मुख्य नहर से लगातार हो रहे जल रिसाव को लेकर कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर समस्या के स्थायी समाधान की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि करोड़ों रुपये की लागत से बनी यह नहर अब किसानों के लिए राहत के बजाय परेशानी का कारण बन गई है।ग्रामीणों के अनुसार नहर के गेट खराब होने तथा नियमित रखरखाव के अभाव में लगातार पानी का रिसाव हो रहा है। इससे आसपास के खेतों में जलभराव की स्थिति बन रही है, जिसके कारण हर वर्ष फसलें प्रभावित हो रही हैं। किसानों का कहना है कि लगातार जलभराव से लगभग 200 हेक्टेयर कृषि भूमि प्रभावित होकर बंजर होने की स्थिति में पहुंच गई है। खेतों में अधिक पानी भरने से खेती कार्य बाधित हो रहा है तथा समय पर बुवाई न हो पाने से किसानों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है।ग्रामीणों ने बताया कि यह समस्या लंबे समय से बनी हुई है, लेकिन कई बार शिकायत करने के बावजूद अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। 181 पर शिकायत दर्ज कराने के बाद भी समस्या का समाधान नहीं हो सका, जिससे किसानों में नाराजगी बढ़ रही है।किसानों ने कलेक्टर से मांग की है कि ददना बांध की मुख्य नहर की तत्काल मरम्मत कराकर जल रिसाव को रोका जाए, ताकि फसलों और कृषि भूमि को और अधिक नुकसान से बचाया जा सके।ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र कार्रवाई नहीं की गई तो वे चक्का जाम आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे। उन्होंने कहा कि आंदोलन की स्थिति में उत्पन्न होने वाली परिस्थितियों की जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

वन विभाग की बड़ी कार्रवाई, सुअर का मांस ले जाते 5 आरोपी गिरफ्तार

डिंडौरी न्यूज । जिले के करंजिया वन परिक्षेत्र में वन विभाग ने वन्य जीव संरक्षण को लेकर बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध शिकार और वन्य जीवों के मांस के परिवहन में शामिल पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। कार्रवाई के दौरान आरोपियों के कब्जे से मोटरसाइकिल में ले जाया जा रहा जंगली सुअर का कच्चा मांस बरामद किया गया। इस कार्रवाई के बाद क्षेत्र में अवैध शिकार करने वालों में हड़कंप मच गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार वन विभाग की टीम को मुखबिर से सूचना मिली थी कि कुछ लोग जंगल क्षेत्र में वन्य जीव का शिकार कर उसका मांस अवैध रूप से परिवहन कर रहे हैं। सूचना को गंभीरता से लेते हुए करंजिया वन परिक्षेत्र की टीम ने तत्काल घेराबंदी कर संदिग्धों की तलाश शुरू की। वन विभाग की टीम ने संदेह के आधार पर मोटरसाइकिल सवार लोगों को रोककर तलाशी लीए जहां उनके पास से भारी मात्रा में जंगली सुअर का कच्चा मांस बरामद हुआ। पूछताछ में आरोपियों द्वारा संतोषजनक जवाब नहीं दिए जाने पर टीम ने सभी पांचों आरोपियों को हिरासत में ले लिया। वन विभाग ने आरोपियों के खिलाफ वन्य जीव संरक्षण अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है। साथ ही शिकार और मांस परिवहन में इस्तेमाल की गई मोटरसाइकिल भी जब्त कर ली गई है। अधिकारियों का कहना है कि मामले की विस्तृत जांच की जा रही है और यह पता लगाया जा रहा है कि आरोपियों का संबंध किसी बड़े शिकार गिरोह से तो नहीं है। वन विभाग के अधिकारियों ने कहा कि वन्य जीवों के अवैध शिकार और तस्करी के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है तथा ऐसे मामलों में किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा। विभाग की इस कार्रवाई को वन्य जीव संरक्षण की दिशा में बड़ी सफलता माना जा रहा है।

दो डीएड डिप्लोमा में एक ही शिक्षक की फोटो! जांच में फर्जी निकले प्रमाणपत्र, जिले में मचा हड़कंप

डिंडौरी न्यूज । जिले में फर्जी शैक्षणिक प्रमाणपत्रों के सहारे शासकीय सेवा और पदोन्नति प्राप्त करनेका सनसनीखेज मामला सामने आने के बाद शिक्षा विभाग में हड़कंप मच गया है। ग्राम कुकर्रामठनिवासी लोक सिंह दुर्वासा ने जनसुनवाई में कलेक्टर डिंडौरी को शिकायत सौंपकर दो शिक्षकों पर फर्जीडीएड अंकसूची और कूटरचित दस्तावेजों के आधार पर नौकरी एवं आर्थिक लाभ लेने का गंभीर आरोपलगाया है। शिकायत में तामेश्वर दास सुरेश्वर एवं सेवानिवृत्त शिक्षक तिलक सिंह तिलगाम के विरुद्धआपराधिक मामला दर्ज कर वेतन एवं अन्य शासकीय लाभों की वसूली की मांग की गई है।शिकायतकर्ता के अनुसार दोनों शिक्षकों की अंकसूचियों में एक जैसे फोटो और समान अंक दर्ज पाएगए हैं, जिससे दस्तावेजों की प्रामाणिकता पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।

आरटीआई में खुलासा, डाइट मंडला ने प्रमाणपत्र जारी करने से किया इंकार

मामले का खुलासा सूचना का अधिकार अधिनियम के तहत प्राप्त जानकारी से हुआ। शिकायतकर्ताद्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों के अनुसार संबंधित शिक्षकों ने जो डीएड डिप्लोमा प्रस्तुत किए हैं, उनमें परीक्षाकेंद्र और प्रमाणपत्र जारी करने वाली संस्था के रूप में "गवर्नमेंट डिस्ट्रिक्ट एजुकेशन एंड ट्रेनिंगइंस्टीट्यूट मंडला" का उल्लेख किया गया है।जब उक्त रोल नंबरों और अंकसूचियों की जानकारी डाइट मंडला से मांगी गई तो संस्था ने लिखित रूपसे स्पष्ट किया कि संबंधित रोल नंबरों के परीक्षार्थी न तो परीक्षा में शामिल हुए थे और न ही संबंधिअंकसूचियां संस्थान से जारी की गई थीं।

फर्जी पाए गए डीएड डिप्लोमा

प्राचार्य, जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान मंडला द्वारा 14 फरवरी 2026 को जिला शिक्षा अधिकारीडिंडौरी को भेजे गए पत्र में बताया गया कि तामेश्वर दास सुरेश्वर की डीएड द्वितीय वर्ष 2006 परीक्षाअनुक्रमांक 3475535 की जांच की गई, जिसमें पाया गया कि संबंधित परीक्षार्थी वर्ष 2006 कीपरीक्षा में सम्मिलित ही नहीं हुआ था और न ही उसकी अंकसूची संस्थान द्वारा जारी की गई। इसीप्रकार सेवानिवृत्त शिक्षक तिलक सिंह तिलगाम के डीएड द्वितीय वर्ष 2010 पत्राचार अनुक्रमांक 5681182 की जांच में भी यह तथ्य सामने आया कि संबंधित परीक्षार्थी वर्ष 2010 की परीक्षा मेंशामिल नहीं हुआ था तथा उक्त अंकसूची भी संस्थान द्वारा जारी नहीं की गई।

वर्षों तक उठाते रहे वेतन वृद्धि और पदोन्नति का लाभ

शिकायतकर्ता लोक सिंह दुर्वासा का आरोप है कि फर्जी दस्तावेजों के आधार पर दोनों शिक्षकों ने वर्षोंशासकीय सेवा में पदोन्नति, वेतनवृद्धि, एरियर्स और अन्य आर्थिक लाभ प्राप्त किए, जिससेशासन को लाखों रुपये की आर्थिक क्षति हुई। साथ ही वास्तविक पात्र कर्मचारियों के अधिकार भीप्रभावित हुए। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि शिकायत करने पर उन्हें जान से मारने की धमकियांदी जा रही हैं। शिकायतकर्ता ने मामले की निष्पक्ष जांच कर संबंधित शिक्षकों के साथ-साथ उस समयके जिम्मेदार अधिकारियों एवं कर्मचारियों पर भी कार्रवाई की मांग की है।

एफआईआर और वसूली की मांग

लोक सिंह दुर्वासा ने प्रशासन से मांग की है कि मामले में धोखाधड़ी, कूटरचना और शासन को आर्थिकनुकसान पहुंचाने के आरोप में एफआईआर दर्ज की जाए तथा अब तक प्राप्त वेतन और अन्य शासकीयलाभों की वसूली सुनिश्चित की जाए। मामला सामने आने के बाद शिक्षा विभाग और प्रशासनिकमहकमे में चर्चाओं का दौर तेज हो गया है।

भाजपा का पं. दीनदयाल उपाध्याय जिला प्रशिक्षण वर्ग संपन्नः संगठन, विचारधारा और बूथ सशक्तिकरण पर कार्यकर्ताओं को मिला मार्गदर्शन

डिंडौरी। भारतीय जनता पार्टी द्वारा कोनार्क मैरिज गार्डन में आयोजित पं. दीनदयाल उपाध्याय जिला प्रशिक्षण वर्ग का दो दिवसीय कार्यक्रम उत्साहपूर्वक संपन्न हुआ। प्रशिक्षण वर्ग में संगठन की विचारधारा, बूथ प्रबंधन, कार्यपद्धति, जनकल्याणकारी योजनाएं, मीडिया की भूमिका एवं सामाजिक चुनौतियों जैसे विषयों पर वरिष्ठ नेताओं ने कार्यकर्ताओं को मार्गदर्शन दिया।कार्यक्रम का शुभारंभ पूर्व केंद्रीय राज्यमंत्री एवं सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते ने प्रदर्शनी का उद्घाटन कर किया। प्रदर्शनी में भाजपा की वैचारिक यात्रा, संगठनात्मक गतिविधियों एवं विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी प्रदर्शित की गई। प्रथम सत्र में फग्गन सिंह कुलस्ते ने बूथ प्रबंधन पर कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा की सबसे बड़ी ताकत उसका बूथ स्तर तक मजबूत संगठन है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से मतदाताओं से सतत संपर्क बनाए रखने और संगठन की नीतियों को घर-घर तक पहुंचाने का आह्वान किया।द्वितीय सत्र में भाजपा राष्ट्रीय मंत्री एवं विधायक ओमप्रकाश धुर्वे ने केंद्र एवं प्रदेश सरकार की योजनाओं की जानकारी देते हुए कहा कि सरकार गरीब, किसान, महिला और युवाओं के हित में कार्य कर रही है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से योजनाओं की जानकारी अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने की अपील की।तृतीय सत्र में बालाघाट के पूर्व जिलाध्यक्ष रमेश भटेरे ने कार्य विस्तार पर मार्गदर्शन देते हुए कहा कि भाजपा विचार आधारित संगठन है और प्रत्येक कार्यकर्ता को नए लोगों को संगठन से जोड़ने का प्रयास करना चाहिए।चतुर्थ सत्र में अजजा मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष पंकज सिंह तेकाम ने "हमारा इतिहास एवं विकास" विषय पर भारतीय संस्कृति, राष्ट्रवाद और भाजपा की वैचारिक यात्रा पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि पार्टी का उद्देश्य सभी वर्गों को साथ लेकर राष्ट्र निर्माण करना है।पंचम सत्र में कटनी के पूर्व महापौर शशांक श्रीवास्तव ने "हमारा सैद्धांतिक अधिष्ठान" विषय पर पंडित दीनदयाल उपाध्याय के एकात्म मानववाद एवं अंत्योदय के सिद्धांतों की जानकारी दी। उन्होंने भाजपा की राजनीति को राष्ट्रसेवा एवं समाजहित आधारित बताया।षष्ठम सत्र में कटनी के पूर्व जिलाध्यक्ष पीताम्बर टोपनानी ने कार्यपद्धति विषय पर संगठनात्मक अनुशासन, जनसंपर्क एवं कार्यक्रम संचालन की जानकारी दी। वहीं सप्तम सत्र में भाजपा जिला प्रभारी कमलप्रताप सिंह ने कार्यकर्ता विकास एवं संगठन में उनकी भूमिका पर अपने विचार रखे।रात्रिकालीन सत्र में सुंदरकांड का आयोजन किया गया, जिसमें कार्यकर्ताओं ने श्रद्धा एवं भक्ति के साथ सहभागिता की। कार्यक्रम स्थल पर आध्यात्मिक वातावरण बना रहा।दूसरे दिन आयोजित अष्टम सत्र में पूर्व जिलाध्यक्ष संजय साहू ने विचार परिवार विषय पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ एवं आनुषांगिक संगठनों की भूमिका पर प्रकाश डाला। नवम सत्र में मंत्री सम्पतिया उईके ने देश के समक्ष राजनीतिक एवं सामाजिक चुनौतियों पर चर्चा करते हुए कार्यकर्ताओं की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। दसवें सत्र में भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष नंदिता पाठक ने व्यावहारिक प्रशिक्षण के माध्यम से संगठनात्मक गतिविधियों एवं जनसंपर्क की जानकारी दी। वहीं ग्यारहवें सत्र में श्रीकांत साहू एवं अमन शर्मा ने मीडिया एवं सोशल मीडिया की भूमिका पर विस्तार से चर्चा की।समापन सत्र में निवास के पूर्व विधायक रामप्यारे कुलस्ते ने संगठन की रीति-नीति, अनुशासन एवं आगामी कार्ययोजनाओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भाजपा का उद्देश्य केवल राजनीतिक सफलता नहीं, बल्कि राष्ट्र एवं समाज की सेवा है।कार्यक्रम में बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। पूरे प्रशिक्षण वर्ग के दौरान कार्यकर्ताओं में उत्साह, अनुशासन एवं संगठन के प्रति समर्पण का वातावरण देखने को मिला।

न्यायालय अतिरिक्त कलेक्टर एवं विवाह अधिकारी, जिला बिलासपुर (छ.ग.)
// विवाह सूचना का प्रकाशन //

क्रमांक क/ /वाचक/अति-कले/2026
बिलासपुर, दिनांक 11.05.2026

आवेदक श्री पूरन सिंह आत्मज श्री बुदधू सिंह उम्र 33 वर्ष निवासी ग्राम रमतवार रैतवार डिंडौरी, थाना करंजिया तहसील वजाग जिला डिंडौरी म.प्र.

एवं

आवेदिका कुमारी नंदिनी आत्मजा श्री सावन सिंह उम्र 30 वर्ष निवासी ग्राम कोटा, मझगांव, थाना बेलगहना, तहसील कोटा जिला बिलासपुर छ.ग.

द्वारा विशेष विवाह अधिनियम 1954 की धारा-5 के तहत सूचना पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतः प्राप्त सूचना का प्रकाशन सर्व साधारण के लिए दैनिक समाचार पत्र में किया जाता है। इस विवाह के संबंध में यदि कोई आपत्ति या दावा हो तो अपनी आपत्ति / दावा इस कार्यालय में दिनॉक 11.06.2026 को प्रातः 11.00 बजे प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित अवधि पश्चात प्राप्त आपत्ति / दावा पर कोई विचार करना संभव नहीं होगा।

(एस.एस.दुबे)
अतिरिक्त कलेक्टर
एवं विवाह अधिकारी
जिला बिलासपुर (छ.ग.)

खबर संक्षेप

जनसुनवाई का आयोजन

नरसिंहपुर। गत दिवस प्रदेश भाजपा के दिशानिर्देशों के अनुपालन में, जनसाधारण की समस्याओं के निवारण हेतु जिला भाजपा कार्यालय में जनसुनवाई का आयोजन किया गया। इस जनसुनवाई में गोटेगांव के विधायक महेंद्र नागेश और जिला भाजपा के अध्यक्ष रामस्नेही पाठक ने सक्रिय रूप से भाग लिया। उन्होंने क्षेत्र के विभिन्न स्थानों से आए नागरिकों द्वारा प्रस्तुत की गई विविध समस्याओं को अत्यंत गंभीरता से सुना और उनका त्वरित तथा प्रभावी समाधान सुनिश्चित करने के उद्देश्य से संबंधित सरकारी विभागों को आवश्यक निर्देश जारी किए। इसके अतिरिक्त, विधायक स्वेच्छा अनुदान निधि का सदुपयोग करते हुए, अत्यंत आवश्यकता वाले व्यक्तियों को वित्तीय सहायता राशि भी स्वीकृत की गई, जिससे उन्हें तत्काल राहत प्राप्त हो सके। जनसुनवाई में लघु वनोपज समिति अध्यक्ष देवी सिंह पटेल, जिला कार्यालय मंत्री सुदर्शन वैद्य, जिला संयोजक सोशल मीडिया भाजपा श्रीकांत श्रीवास्तव मंडल अध्यक्ष नीलेश शर्मा, रामनारायण पटेल सहित पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

6 पेटी शराब के साथ आरोपी गिरफ्तार

नरसिंहपुर। गत दिवस कोतवाली पुलिस द्वारा 6 पेटी शराब के साथ आरोपी के गिरफ्तार किया गया। थाना कोतवाली अंतर्गत एक विश्वसनीय मुखबिर से प्राप्त सूचना हुई कि सींगरी किनारे झाड़ियों में छिपाकर एक व्यक्ति भारी मात्रा में अवैध शराब रखे हुए है। सूचना पर त्वरित कार्यवाही की गई जिसके परिणाम स्वरूप एक स्कूटी चालक से भारी मात्रा में शराब जप्त की जाकर आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। पूछताछ में आरोपी ब्रजेश ठाकुर पिता राकेश ठाकुर उम्र 21 वर्ष निवासी गांधी चौक, नरसिंहपुर बताया आरोपी के पास से 2 पेटी अंग्रेजी (गोवा) शराब, 4 पेटी देशी शराब कुल कीमत 37,000 रुपए जप्त की गई। आरोपी के विरूद्ध थाना कोतवाली में धारा 34 (2) आबकारी अधिनियम के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया गया है। कार्यवाही में सउनि भीम बॉक्सर, आरक्षक उमेश्वर पाठक, अभय तिवारी, श्रेय अवस्थी, अनुराग दुबे, राहुल दुबे, नीलेश दुबे, कुलदीप साहू एवं सौरभ पटेल की मुख्य भूमिका रही है।

करंट लगने से युवक की मौत

नरसिंहपुर। थाना क्षेत्र करेली अंतर्गत ग्राम पिपरिया रांकई में बिजली का काम करने के दौरान 28 वर्षीय युवक अखिलेश चक्रवर्ती की करंट लगने से दर्दनाक मौत हो गई। घटना 17 मई 2026 की है। परिजनों के अनुसार, अखिलेश बिजली फिटिंग का सामान लेने के लिए घर से निकले थे, जिसके बाद उन्हें गांव के ही एक मकान में बिजली सुधार कार्य के लिए बुलाया गया। काम के दौरान युवक को जोरदार करंट लगा, जिससे वह मौके पर ही गिर पड़ा। अस्पताल ले जाने पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की पत्नी सोनम चक्रवर्ती ने मकान मालिक पर गंभीर लापरवाही के आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि काम के दौरान फर्श गीला था और बिजली लाइन चालू थी, जबकि उन्हें लाइन बंद होने की गलत जानकारी दी गई थी। उन्होंने प्रशासन से मामले की निष्पक्ष जाँच कर इसे हत्या का मामला मानते हुए कानूनी कार्रवाई करने की माँग की है। फिलहाल, पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है।

अमृत सरोवर निर्माण में जेसीबी का उपयोग, ग्रामीणों ने सौंपा ज्ञापन

नरसिंहपुर। सरकार द्वारा लाखों रूपए की राशि स्वीकृत कर गरीबों को रोजगार देने के लिए कर रही है। वही प्रशासन के जिम्मेदा अधिकारी कर्मचारी के मंसूबों पर पानी फेरते नजर आ रहे है ऐसा ही मामला जनपद पंचायत नरसिंहपुर की ग्राम पंचायत सगौनी खुर्द में अमृत सरोवर निर्माण कार्य को लेकर बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। ग्रामीणों ने कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह को आवेदन सौंपकर निर्माण कार्य में भारी अनियमितताओं का आरोप लगाया है। ग्रामीणों का कहना है कि शासन की गाइडलाइन के अनुसार अमृत सरोवर का कार्य मनरेगा के तहत मजदूरों से कराया जाना अनिवार्य है, लेकिन इसके विपरीत कार्य जेसीबी और ट्रैक्टर-ट्रॉली से करवाया जा रहा है।

अधूरी पड़ी जल जीवन मिशन की कई योजनाएं

दूर-दूर से पानी ढोने के लिए मजबूर हैं ग्रामीण

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

सरकार लोगों को बेहतर सुविधाएं देने के लिए प्रयासरत है लेकिन प्रशासन के जिम्मेदार अधिकारी व कर्मचारियों की लापरवाही के कारण लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ऐसा ही मामला जिले की कई ग्राम पंचायतों से सामने आया जहां पर नल जल योजना अंतर्गत नल तो लगाए गए लेकिन उनमे पानी नही आ रहा है। ग्रामीणों को उपयोग के लिए पानी दूर दूर से ढोने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। वही प्रशासन के जिम्मेदार अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों को ग्रामीणों की समस्याओं से कोई फर्क नही पड़ता वही कई ग्रामों में ठेकेदार के माध्यम से योजनाओं को पूरा कर दिया

गया और ग्राम पंचायत के हैंडओवर कर दिया गया लेकिन नलों से पानी अभी तक नही आ रहा है।

अधूरी पड़ी नल जल योजनाएं

जिले में हर घर तक नल से जल पहुंचाने के उद्देश्य से संचालित जल जीवन मिशन की कई योजनाएं अब भी अधूरी पड़ी हैं। जिले में स्वीकृत 890 योजनाओं में से 187 योजनाओं का कार्य अब तक पूरा नहीं हो सका है। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग 703 योजनाओं के पूर्ण होने का दावा कर रहा है, लेकिन इनमें से भी 135 योजनाएं अभी ग्राम पंचायतों को हैंडओवर नहीं की गई हैं। ऐसे में कई गांवों में लोगों को नियमित जलापूर्ति का लाभ नहीं मिल पा रहा है। कार्य पिछडने की वजह रिवाइज योजनाओं में टेंडर की प्रक्रिया में देरी एवं तकनीकी समस्याओं को माना जा रहा है। जानकारी के अनुसार कई गांवों में पाइपलाइन बिछाने का काम तो पूरा हो गया है, लेकिन पानी की टंकियों का निर्माण अधूरा है। ऐसे स्थानों पर वैकल्पिक व्यवस्था के जरिए सीधे जल सप्लाई देने का दावा किया जा रहा है। इसके बावजूद ग्रामीणों में जल आपूर्ति को लेकर शिकायतें बनी हुई हैं। कई क्षेत्रों में लोगों का कहना है कि घरों तक पर्याप्त दबाव से पानी नहीं पहुंच रहा, जबकि कुछ गांवों में सप्लाई अनियमित बनी हुई है। चीचली ब्लाक के ग्राम खला के ग्रामीण कहते हैं कि योजना से पानी तो मिलने लगा है लेकिन सुचारु नहीं मिल पाता, कभी बिजली कटौती तो कभी तकनीकी समस्याएं जलापूर्ति में बाधा बनने लगती हैं।

टेंडर के पांच माह बाद भी कई कार्य अधूरे

प्राप्त जानकारी के मुताबिक योजनाओं के कार्य प्रभावित होने की प्रमुख वजह ठेकेदारों द्वारा समय पर काम शुरू नहीं करना और तकनीकी अड़चनें रहीं। इसके अलावा करीब 245 योजनाओं को रिवाइज किए जाने से उनकी टेंडर प्रक्रिया में देरी हुई। बताया जाता है कि इन योजनाओं के टेंडर बीते वर्ष दिसंबर में जारी हुए, जिसके कारण पांच माह बाद भी कई कार्य अधूरे हैं। जिले में 150 से अधिक योजनाएं मैकेनिकल श्रेणी की हैं, जिनकी लागत 15 से 17 लाख रुपए तक है। वहीं कुछ बड़ी योजनाओं में लागत और तकनीकी जटिलताएं अधिक होने से कार्य में अतिरिक्त समय लग रहा है। विभाग दावा कर रहा है कि जून के आखिर तक कार्य पूरे हो जाएंगे। हालांकि जमीनी स्तर पर कई गांवों में अब भी लोगों को पर्याप्त जल आपूर्ति नहीं मिलने से नाराजगी बनी हुई है। ग्रामीणों का कहना है कि मिशन के तहत करोड़ों रुपए खर्च होने के बावजूद कई जगह व्यवस्था पूरी तरह सुचारु नहीं हो सकी है।

रिवाइज योजनाओं ने बढ़ाई देरी

जल जीवन मिशन की करीब 245 योजनाओं में डिजाइन और लागत संशोधन के कारण दोबारा स्वीकृति एवं टेंडर प्रक्रिया करनी पड़ी। विभागीय सूत्रों के अनुसार इन योजनाओं के टेंडर बीते साल दिसंबर में जारी हुए, जिससे निर्माण कार्य देर से शुरू हो सके। इसका असर जिले की कई परियोजनाओं की प्रगति पर पड़ा है। विभाग ने बीते साल कुछ ठेकेदारों को ब्लैक लिस्ट करने की कार्रवाई भी की थी। ग्रामीण क्षेत्रों में कहीं पानी कम दबाव से पहुंच रहा है तो कहीं सप्लाई नियमित नहीं हो पा रही। कुछ गांवों में टंकियां अधूरी होने के बावजूद अस्थायी रूप से पानी सप्लाई करने की व्यवस्था की गई है। ग्रामीणों का कहना है कि योजनाओं के पूर्ण संचालन तक समस्या बनी रहने की आशंका है। जिले में कुल 890 स्वीकृत योजनाएं है अब तक 703 योजनाएं पूर्ण है और 187 योजनाएं अधूरी है। 568 ग्राम पंचायतों को हैंडओवर हो चुकी है। 135 हैंडओवर प्रक्रिया में है। प्रशासन के जिम्मेदार अधिकारियों व ठेकेदारो की लापरवाही के कारण ग्रामीणों को दूर दूर से पानी ढोकर लाना पड़ रहा है।

महंगाई के खिलाफ युवा कांग्रेस का विरोध प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

बढ़ती महंगाई, पेट्रोल-डीजल एवं रसोई गैस के लगातार बढ़ते दामों के विरोध में युवा कांग्रेस नरसिंहपुर द्वारा स्थानीय कठल पेट्रोल पंप पर विरोध प्रदर्शन आयोजित किया गया। आम जनता पर पड़ रहे आर्थिक बोझ और दैनिक परेशानियों को लेकर केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की गई। साथ ही प्रदर्शन के दौरान लोगों को झालमुरी वितरित कर विरोध दर्ज कराया गया। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि लगातार बढ़ती महंगाई से आम आदमी का जीवन प्रभावित हो रहा है। पेट्रोल-डीजल और घरेलू गैस सिलेंडर के दामों में वृद्धि से परिवहन से लेकर रसोई तक हर चीज महंगी हो गई है, जिससे मध्यम वर्ग और गरीब परिवार सबसे ज्यादा परेशान हैं। युवा कांग्रेस ने सरकार से महंगाई पर नियंत्रण लगाने और जनता को राहत देने की मांग की। इस अवसर पर रोहित पटेल, जिला युवा कांग्रेस अध्यक्ष विवेक पटेल, एन एस यू आई जिलाध्यक्ष ईशान राय, प्रदेश सचिव जितेंद्र लोधी, विधानसभा युवा कांग्रेस अध्यक्ष शुभम ठाकुर, नगर युवा कांग्रेस अध्यक्ष अमित श्रीवास्तव सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस एवं युवा कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कॉलेज चलो अभियान के अंतर्गत शिक्षण विमर्श आयोजित

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

मध्यप्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग भोपाल एवं रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर के निर्देशानुसार कॉलेज चलो अभियान अंतर्गत एम.आई.एम.टी कॉलेज नरसिंहपुर में शिक्षण विमर्श का आयोजन राजीव किशोर श्रीवास्तव प्राचार्य डाइट नरसिंहपुर, इंजी. रुद्रेश तिवारी चेयरमैन एम.आई.एम.टी. कॉलेज नरसिंहपुर, डॉ. अशोक उदेनिया व्याख्याता उत्कृष्ट विद्यालय नरसिंहपुर, दीपक अग्निहोत्री व्याख्याता एवं प्राचार्य डॉ. अशोक कुमार गर्ग की उपस्थिति में किया गया। प्राचार्य श्रीवास्तव ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को समाहित करते हुए समय के साथ शिक्षा में हुए बदलाव पर प्रकाश डाला। चेयरमैन इंजी. तिवारी ने शिक्षकों से भविष्य निर्माण की दिशा में छात्र-छात्राओं को उचित मार्गदर्शन एवं व्यक्तित्व विकास के अवसर उपलब्ध कराने हेतु प्रेरित किया। डॉ. उदेनिया ने छात्र-छात्राओं की जिज्ञासा का त्वरित समाधान तथा समाज के प्रत्येक वर्ग को उच्च शिक्षा से जोड़ने हेतु अपील की। व्याख्याता अग्निहोत्री ने शिक्षा के मूल आधार शिक्षकों के नवाचार पर बल दिया। प्राचार्य डॉ. गर्ग ने स्वागत उद्बोधन में प्रवेश प्रक्रिया में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अंतर्गत हुए नवीन परिवर्तन, मार्गदर्शिका सिद्धांत को उल्लेखित किया। कार्यक्रम का संचालन मेजर डॉ. पराग नेमा, विभागाध्यक्ष कला एवं समाज कार्य विभाग द्वारा तथा आभार प्रदर्शन श्रीमती आराधना दुबे द्वारा किया गया। इसके पूर्व कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती पूजन से किया गया। छात्रा महिमा रैकवार द्वारा सुमधुर सरस्वती वंदना की प्रस्तुति दी गई। शिक्षण विमर्श में जिले के ख्यातिलब्ध शिक्षाविद आर. एन. रावत, अभिनव लखेरा, नवीन दुबे, सोमनाथ गढ़ेवाल, संदेष लूनावत, दीपक साहू, रीतेश गुप्ता, राहुल चावला, हेमवीर साहनी एवं सुश्री लवलीन कौर सहित एम.आई.एम.टी. महाविद्यालय से एड. रचित तिवारी डायरेक्टर एम. आई. एम. टी. लॉ कॉलेज, डॉ. एस.एन. राव, श्रीमती अनीता रघुवंशी, डॉ. दीपिका शर्मा, जी. डी. उमरे, सुश्री विजेता सिधना सहित समस्त स्टॉफ मेम्बर्स एवं छात्र-छात्राओं की विशेष उपस्थिति रहीं।

शिविर खेल व योग के साथ बच्चों ने सीखे साइबर सुरक्षा के गुर

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में आयोजित आरोह 2026 ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर में बच्चों को खेल और फिटनेस के साथ-साथ डिजिटल दुनिया के खतरों के प्रति जागरूक किया गया। शिविर के 19वें दिन जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के पैरा लीगल वालंटियर आशुतोष स्वामी ने बच्चों को मोबाइल एडिक्शन और साइबर अपराधों के दुष्प्रभावों से सावधान किया। उन्होंने बच्चों को ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचने के लिए अनजान व्यक्तियों से ओटीपी साझा न करने, संदिग्ध लिंक से दूर रहने और समय-समय पर पासवर्ड बदलने की सलाह दी। साथ ही, साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 की जानकारी देते हुए उन्हें नशे के दुष्प्रभावों, विशेषकर मुख कैंसर के प्रति सचेत किया। प्रशिक्षक विकास शर्मा के मार्गदर्शन में चल रहे इस शिविर में बच्चे कबड्डी, योग और फिटनेस का कड़ा अभ्यास कर रहे हैं, जिससे उनमें मोबाइल के प्रति मोह कम हो रहा है। कार्यक्रम के दौरान बच्चों ने क्रीड़ा भारती का प्रेरक गीत भी प्रस्तुत किया। इस अवसर पर एनपीएस संचालक उपकार शर्मा सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण बच्चे मौजूद रहे।

बीकॉम पास कर्मचारी बना सर्वेयर, किसानों ने लगाए रिश्वत और अधिक तुलाई के आरोप

शिव शक्ति वेयर हाउस में गेहूं खरीदी पर विवाद

गोटेगांव/नरसिंहपुर।

शिव शक्ति वेयर हाउस में संचालित सहकारी समिति खमरिया के गेहूं खरीदी केंद्र पर किसानों ने गंभीर अनियमितताओं के आरोप लगाए हैं। किसानों का कहना है कि गुणवत्तापूर्ण गेहूं को रिजेक्ट किया जा रहा है, प्रति बोरी 300 से 400 ग्राम अतिरिक्त तुलाई की जा रही है और कथित रूप से पैसे लेकर रिजेक्ट माल पास किया जा रहा है।विवाद तब बढ़ा जब समिति प्रबंधक दीपेंद्र राजपूत ने स्वीकार किया कि अधिकृत सर्वेयर उपलब्ध नहीं होने के कारण बीकॉम पास

कर्मचारी मोहित मेहरा को सर्वेयर की जिम्मेदारी दी गई है। किसानों ने गैर-प्रशिक्षित कर्मचारी द्वारा गुणवत्ता परीक्षण किए जाने पर सवाल उठाए हैं।किसान संघ के जिला महामंत्री अभिषेक पटेल ने मामले की निष्पक्ष जांच और दोषियों पर कार्रवाई की मांग की है। वहीं एसडीएम गोटेगांव संघमित्रा गौतम ने JSO को जांच के निर्देश देते हुए कहा कि अनियमितता पाए जाने पर जिम्मेदारों को बख्शा नहीं जाएगा।

दवा विक्रेताओं ने दुकानें बंद कर प्रधानमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

तेंदूखेड़ा। अवैध ऑनलाइन दवा बिक्री और ई कॉमर्स कंपनियों की मनमानी के खिलाफ ऑल इंडिया ऑर्गनाइजेशन ऑफ केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स एवं मध्य प्रदेश केमिस्ट ड्रगिस्ट्स एसोसिएशन के आह्वान पर बुधवार को क्षेत्र के दवा व्यापारियों ने अपनी दुकानें बंद रखकर एक दिवसीय सांकेतिक हड़ताल की। इस दौरान स्थानीय केमिस्ट एसोसिएशन ने प्रभारी एसडीएम के माध्यम से देश के प्रधानमंत्री के नाम एक ज्ञापन सौंपकर ऑनलाइन दवा बिक्री पर तुरंत रोक लगाने की मांग की। सौंपे गए ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट 1940 एवं नियम 1945 में ऑनलाइन दवा बेचने का कोई स्पष्ट प्रावधान न होने के बावजूद कई कंपनियां सालों से नियमों को ताक पर रखकर दवाइयां बेच रही हैं। इसके अलावा बिना वैध डॉक्टर पर्चे के दवा सप्लाई करना और अत्यधिक छूट देकर बाजार खराब करना छोटे दवा व्यापारियों के अस्तित्व और जनस्वास्थ्य दोनों के लिए बड़ा खतरा बन चुका है।

केमिस्ट एसोसिएशन की प्रमुख मांगें - अवैध ऑनलाइन दवा बिक्री के खिलाफ तत्काल कठोर कानूनी कार्रवाई की जाए। बिना डॉक्टर की वैध पर्ची के दवाओं की होम डिलीवरी पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगे। कोरोना काल जैसी असाधारण परिस्थितियों में दी गई राहतों को वर्तमान सामान्य स्थिति में तुरंत वापस लिया जाए। ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स द्वारा अपनाई जा रही प्रेडेटरी प्राइसिंग नीति पर रोक लगे। इस आंदोलन में तेंदूखेड़ा के समस्त दवा विक्रेताओं ने एकजुट होकर भाग लिया और चेतावनी दी कि यदि जल्द ही उनकी मांगों पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई तो वे आगे उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होंगे।

अतरिया मार्ग पर झूलते बांस बने जानलेवा, अंधे मोड़ पर सड़क तक लटक रही नुकीली टहनियां, ग्रामीणों ने की तत्काल छंटाई की मांग

गोटेगांव।

गोटेगांव नगर से अतरिया-कुंडा गांव को जोड़ने वाला मुख्य सड़क मार्ग इन दिनों राहगीरों के लिए खतरे का कारण बन गया है। अतरिया तिग्गा के पास सड़क किनारे लगे बांस के घने झुंड सड़क तक झुक आए हैं। बांस की नुकीली टहनियां सीधे वाहन चालकों और दोपहिया सवारों को लग रही हैं, जिससे यहां कभी भी गंभीर दुर्घटना हो सकती है।स्थानीय लोगों के अनुसार इस स्थान पर पहले से ही तीव्र अंधा मोड़ है, जहां सामने से आने वाले वाहन अंतिम क्षण तक दिखाई नहीं देते। ऐसे में सड़क पर झुके बांस के कारण वाहन चालकों को अचानक बचाव करना पड़ता है, जिससे संतुलन बिगड़ने का खतरा बना रहता है। रात के समय स्थिति और भी गंभीर हो जाती है, क्योंकि पर्याप्त रोशनी न होने से सड़क पर लटकी टहनियां दिखाई नहीं देतीं।ग्रामीणों का कहना है कि इस मार्ग से प्रतिदिन बड़ी संख्या में किसान, विद्यार्थी और आम नागरिक आवागमन करते हैं। बरसात के मौसम में बांस और झाड़ियां और अधिक फैल जाती हैं, जिससे दुर्घटना की आशंका कई गुना बढ़ जाती है। इसके बावजूद संबंधित विभाग द्वारा अब तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है।क्षेत्रवासियों ने प्रशासन से मांग की है कि अतरिया तिग्गा के पास सड़क तक झुके बांस के झुंडों और झाड़ियों की तत्काल छंटाई कराई जाए, ताकि मार्ग पर सुरक्षित और सुचारू यातायात सुनिश्चित हो सके।

अतिक्रमण और चोरियों की भेंट चढ़ी बरगी कॉलोनी करोड़ों की सरकारी संपत्ति खंडहर में तब्दील

गोटेगांव।

रानी अवंती बाई लोधी सागर परियोजना (बरगी बांध) की बरहेटा स्थित एसडीओ मुख्यालय कॉलोनी पिछले दो दशकों से उपेक्षा का शिकार है। देखरेख के अभाव में क्वार्टरों के दरवाजे, खिड़कियां, चौखट और सीमेंट शीट तक चोरी हो चुकी हैं। सरकारी गोदाम से लोहे के पाइप और अन्य सामग्री भी गायब बताई जा रही है।कॉलोनी परिसर में बाहरी लोगों द्वारा अवैध कब्जे किए गए हैं। कुछ लोगों ने पक्के मकान बना लिए हैं, जबकि मुख्य एसडीओ क्वार्टर सहित कई आवासों पर सेवानिवृत्त कर्मचारी और अन्य लोग कब्जा जमाए हुए हैं। ग्राम

पंचायत का कहना है कि कॉलोनी का औपचारिक हस्तांतरण नहीं होने से कार्रवाई संभव नहीं है। स्थानीय नागरिकों ने कॉलोनी को अतिक्रमण मुक्त कराने और चोरी गए सरकारी सामान की जांच की मांग की है।